मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, रविवार, 14 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष कृष्णपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 95 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कॅरियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

टाईगर श्राफ ने बागी चार को लेकर दी अहम जानकारी ◂◂ 6

दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन हिंदू मंदिर गिरा भारतीय मूल के व्यक्ति समेत 4 की मौत

जोहानसवर्ग : दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नटाल प्रांत में एक निमार्णाधीन चार मंज़िला हिंदू मंदिर ढह जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में 4 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 52 वर्षीय भारतीय मूल का व्यक्ति भी शामिल है।

यह हादसा ईथेक्विनी के उत्तर में रेडक्लिफ इलाके में स्थित न्यू अहोबिलम टेम्पल ऑफ प्रोटेक्शन में हुआ, जहां पहाड़ी पर बने मंदिर का विस्तार कार्य चल रहा था। निर्माण के दौरान इमारत का एक हिस्सा अचानक गिर गया। पहले दो मौतों की पुष्टि हुई थी, जबकि शनिवार को मलबे से दो और शव बरामद किए गए। खराब मौसम के चलते राहत और बचाव कार्य फिलहाल रोक दिया गया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार मृतकों में विक्की जयराज पांडे शामिल हैं, जो मंदिर ट्रस्ट के एगजीक्यूटिव सदस्य और निर्माण परियोजना के मैनेजर थे। मंदिर से जुड़ी चैरिटी संस्था के निदेशक ने भी उनकी मौत की पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि यह मंदिर गुफा के आकार में डिजाइन किया गया था और इसके निर्माण में भारत से लाए गए पत्थरों का इस्तेमाल किया गया था। वहीं, ईथेक्विनी नगरपालिका ने कहा है कि इस प्रोजेक्ट के लिए किसी भी तरह की बिल्डिंग मंजूरी नहीं ली गई थी, जिससे यह निर्माण अवैध माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

इस बार ईवीएम नहीं, बैलेट पेपर से कराए जाएंगे नगर निकाय चुनाव

ईवीएम की अनुपलब्धता के कारण राज्य निर्वाचल आयोग ने लिया फैसला

संवाददाता

रांची: झारखंड में नगर निकाय चुनाव पहली बार बैलेट पेपर के जरिए कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने आगामी नगर निकाय चुनाव को लेकर यह अहम निर्णय लिया है। अब तक राज्य में जब भी नगर निकाय चुनाव हुए हैं, उनमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) का ही इस्तेमाल किया जाता रहा है। बैलेट पेपर से मतदान होने के कारण चुनाव प्रक्रिया अपेक्षाकृत अधिक जटिल होगी और मतदान से लेकर मतगणना तक निर्वाचनकर्मियों को अतिरिक्त सावधानी और मेहनत करनी पड़ेगी। जानकारी के अनुसार दिसंबर से जनवरी के बीच चुनाव कराए जाने की तैयारी है और इसकी तिथियों की घोषणा जल्द की जाएगी। राज्य में कुल 49 नगर निकायों में चुनाव होने हैं। इनमें 9 नगर निगम, 18 नगर परिषद और 22 नगर पंचायत शामिल हैं।

इस बार नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से होगा : राज्य निर्वाचन आयोग ने यह फैसला ईवीएम की अनुपलब्धता के कारण लिया है। आयोग के पास उपलब्ध ईवीएम की आयु पूरी हो चुकी है और जरूरत के मुताबिक मशीनें उपलब्ध नहीं हैं। दूसरे राज्यों से ईवीएम लेने की कोशिश भी सफल नहीं हो सकी। बिहार समेत झारखंड के पड़ोसी राज्यों ने ईवीएम उपलब्ध कराने में असमर्थता जता दी है। वहीं, ईवीएम बनाने वाली कंपनी ने नई मशीनें उपलब्ध कराने के लिए करीब एक वर्ष का समय मांगा है। इन परिस्थितियों को देखते हुए आयोग ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधेश्याम प्रसाद ने बताया, 'इस बार नगर निकाय चुनाव बैलेट पेपर से होगा। मेरे पास जो ईवीएम हैं, उनकी आयु समाप्त हो चुकी है। दूसरे राज्यों ने भी ईवीएम देने से इनकार कर दिया है। नई ईवीएम के लिए कंपनी ने एक साल का समय मांगा है। इन सभी वजहों से बैलेट पेपर के जरिए मतदान कराने का निर्णय लिया गया है।'

मतदाता दोनों बैलेट पेपर पर अपने मत दर्ज करेंगेःप्रसाद ने बताया, नगर निकाय चुनाव में मतदाताओं को दो अलग-अलग रंगों के बैलेट पेपर दिए जाएंगे। अध्यक्ष पद के लिए एक रंग का बैलेट पेपर होगा, जबकि वार्ड सदस्य के लिए अलग रंग का। मतदान के दौरान मतदाता दोनों बैलेट पेपर पर अपने मत दर्ज करेंगे और उन्हें अलग-अलग बैलेट बॉक्स में डालना होगा। इससे मतों की पहचान और गणना में आसानी होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार, बैलेट बॉक्स की पर्याप्त संख्या उपलब्ध है। जिलों में मतदान केंद्रों की संख्या के आधार पर बैलेट बॉक्स का आकलन कर लिया गया है। पुराने ब्लैक बॉक्स की रंगाई-पुताई का काम भी शुरू कर दिया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न कराई जा सके। इधर, बैलेट पेपर की छपाई को लेकर भी आयोग ने तैयारी तेज कर दी है। आमतौर पर बैलेट पेपर की छपाई कोलकाता में कराई जाती थी, लेकिन इस बार स्थानीय स्तर पर रांची में ही प्रिंट कराने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए प्रिंटिंग प्रेस के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आयोग का कहना है कि इससे समय की बचत होगी और चुनाव की तैयारियों में तेजी आएगी।

मेसी के इवेंट में हुए बवाल पर असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का बड़ा बयान, ममता बनर्जी को गिरफ्तार करो

नई दिल्ली : पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मशहूर फुटबॉलर लियोनेल मेसी की एक झलक पाने को जुटे फैंस का गुस्सा उस वक्त फूट पड़ा, जब उन्हें उन्हें देखने का मौका नहीं मिला। मेसी के जाने के बाद नाराज दर्शकों ने स्टेडियम में कुर्सियां और बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। महंगे टिकट खरीदने के बावजूद फैंस को निराशा हाथ लगी, जिसका कारण कथित वीआईपी कल्चर बताया जा रहा है।

इस मामले ने सियासी तूल भी पकड़ लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोलते हुए भीड़ नियंत्रण में नाकामी का आरोप लगाया। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की गृह मंत्री होने के नाते मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कोलकाता पुलिस कमिश्नर इस घटना के लिए जिम्मेदार हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि अन्य राज्यों में बड़े आयोजनों के दौरान भीड़ को शांतिपूर्ण तरीके से संभाला गया, लेकिन बंगाल में श्क्ह कल्चर हावी है। उन्होंने मेसी को पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बताते हुए बंगाल की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। गौरतलब है कि विश्व कप विजेता लियोनेल मेसी को देखने के लिए कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में भारी भीड़ उमड़ी थी। करीब 20 मिनट की मौजूदगी के दौरान मेसी नेताओं और अधिकारियों से घिरे रहे, जिससे आम दर्शकों को उनकी झलक तक नहीं मिल सकी। इसके बाद हालात बिगड़ गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने बताया कि इवेंट के आयोजक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी के परिसर में चलीं ताबड़तोड़ गोलियां, 2 की मौत,9 घायल, मचा हड़कंप

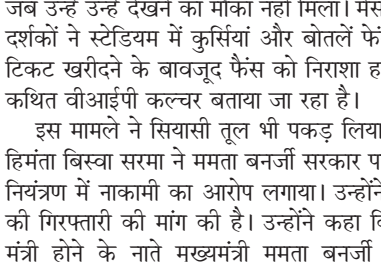

प्रोविडेंस : अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब फाइनल परीक्षाओं के दौरान एक शूटर ने कैंपस में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस घटना में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे विश्वविद्यालय में दहशत का माहौल है और पुलिस संदिग्ध की तलाश में जुटी हुई है। यूनिवर्सिटी अध्यक्ष क्रिस्टीना पैक्सन के अनुसार गोली लगने से घायल हुए सभी लोग छात्र थे। यह गोलीबारी शनिवार दोपहर इंजीनियरिंग इमारत में हुई। प्रोविडेंस पुलिस के उप प्रमुख टिमोथी ओह्लहारा ने बताया कि संदिग्ध एक पुरुष था, जो गहरे कपड़े और मास्क पहने हुए था और आखिरी बार इंजीनियरिंग बिल्डिंग से निकलते देखा गया। उसकी उम्र करीब 30 साल बताई जा रही है। शूटर ने हैंडगन का इस्तेमाल किया, ऐसा अधिकारियों का अनुमान है। मेयर ब्रेट स्माइली ने बताया कि घटना के बाद शेल्टर-इन-प्लेस आदेश लागू किया गया है और कैंपस व आसपास के इलाकों में सघन तलाशी ली जा रही है। शुरूआती तौर पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया था, लेकिन बाद में उसे निर्दोष पाया गया। कई घंटों तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालकर फिटनेस सेंटर में शिफ्ट किया गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार घायलों को रोड आइलैंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें एक की हालत गंभीर है, जबकि बाकी की स्थिति स्थिर बनी हुई है। जिस बारुस एंड होली इमारत में गोलीबारी हुई, वहां इंजीनियरिंग और फिजिक्स विभाग हैं और उस समय परीक्षाएं चल रही थीं। इस घटना से ब्राउन यूनिवर्सिटी समुदाय और पूरे प्रोविडेंस शहर में शोक और चिंता का माहौल है।

वोट चोरी पर कांग्रेस की विशाल रैली, मनोज झा बोले- निष्पक्ष चुनाव असली मुद्दा, भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस की विशाल रैली पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज कुमार झा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, हम निष्पक्ष चुनाव जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं, जिसमें चुनाव आयोग की सक्रिय भूमिका होनी चाहिए। बिहार चुनाव के दौरान हुए वित्तीय लेन-देन यह दिखाते हैं कि किसी भी तरह से वोट चुराने की कोशिश की गई।

वहीं, कांग्रेस की रैली को लेकर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, कांग्रेस पार्टी की रैली पूरी तरह विफल होगी। कांग्रेस अपने ही कर्मों का फल भुगत रही है और यह बात वह जानती है। वह ईवीएम, एसआईआर और चुनाव आयोग पर दोष मढ़ना चाहते हैं। कांग्रेस नेता खुद इन पर सवाल उठा रहे हैं और उनके नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं। इन सवालों को उठने से रोकने के लिए वे यह रैली कर रहे हैं। रैली में भीड़ जुटाने से कुछ नहीं होगा।

हुसैन ने कहा, कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि इसी दिल्ली की जनता ने उन्हें शून्य पर ला दिया था और बिहार की जनता ने उन्हें केवल छह सीट दी थीं।

भाजपा सरकार वोट चोरी की सरकार: अजय कुमार लल्लू

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली पर ओडिशा कांग्रेस के प्रभारी अजय कुमार लल्लू ने कहा, 'जिस तरह देश में लोकतंत्र को बंधक रखा गया है। निश्चित तौर पर देश की यह भाजपा सरकार वोट चोरी की सरकार है। राहुल गांधी ने तमाम राज्यों में प्रेस वार्ता करके देश, मीडिया, लोगों के सामने प्रत्यक्ष रूप से एक-एक वोटर और बूथ के बारे में जानकारी लाने का काम किया। मैं समझता हूं कि जो आज भाजपा है वो लोकतांत्रिक प्रणाली की व्यवस्था को पूरी तरह से समाप्त करके निश्चित तौर पर तानाशाही के रास्ते पर जाना चाहती है।'

क्या राहुल गांधी दिल्ली की वोट चोरी के विषय में बात करेंगे: सौरभ भारद्वाज : आम आदमी पार्टी दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस की रैली पर कहा, 'हमारी तरफ से उन्हें शुभकामनाएं कि वे कोई भी जन जागृति का कार्य देश के अंदर करना चाहते हैं। लेकिन जिस दिल्ली के अंदर कांग्रेस वोट चोरी की शुरूआत कर रही है, इतनी बड़ी रैली कर रही है उसी दिल्ली में आज से एक साल पहले जब वोट चोरी हो रही थी, हमारे बड़े-बड़े नेता वोट चोरी के सबूत दिखा रहे थे तब कांग्रेस पार्टी चुप थी। आज एक साल बाद तक भी कांग्रेस उस पर चुप है। क्या राहुल गांधी दिल्ली की वोट चोरी के विषय में बात करेंगे या उससे बचेंगे? यदि बचते हैं तो उनका पूरा का पूरा नैरेटिव उनकी अपनी पार्टी के लिए है ये देश के लिए नहीं।'

सीबीआई की चार्जशीट में खुले कई राज

1000 करोड़ की साइबर ठगी का 'चीन' कनेक्शन, 111 फर्जी कंपनियों का भी जिक्र

नई दिल्ली: केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। सीबीआई ने 17 लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। ये गिरोह लोगों से ऑनलाइन धोखाधड़ी करते थे और उनको लूटने का काम करते थे। सीबीआई की चार्जशीट से पता चलता है कि इस गिरोह के तार विदेश तक जुड़े थे। दरअसल, जांच एजेंसी ने अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध में शामिल चार विदेशी नागरिकों और 58 कंपनियों सहित 17 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। इस मामले के तीन मुख्य आरोपियों को अक्टूबर में गिरफ्तार किया गया था। जांच के अनुसार, ये साइबर ठग फर्जी लोन, फर्जी निवेश योजनाएं का लालच देकर लोगों को अपनी जाल में फंसाते थे।

चार्जशीट के अनुसार, यह नेटवर्क पोंजी योजनाओं और मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) मॉडल के साथ-साथ फर्जी ऐप और नौकरी के प्रस्तावों के माध्यम से लोगों को धोखा दे रहा था। बड़े साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़ः गौरतलब है कि सीबीआई ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिली जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया गया था। लगातार मिल रही साइबर अपराधों की शिकायतों के बाद ये कदम उठाया गया। जांच के दौरान पाया गया कि साइबर जालसाजों ने एक अत्यधिक जटिल, तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें असली नियंत्रकों की पहचान छिपाने और कानून प्रवर्तन की जांच से बचने के लिए गूगल विज्ञापनों, बल्क एसएमएस अभियानों, सिम-बॉक्स मैसेजिंग सिस्टम, क्लाउड सर्वर, फिनटेक प्लेटफॉर्म और दर्जनों फर्जी बैंक खातों का लाभ उठाया गया। 111 फर्जी कंपनियों का पदार्फाशः जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि इस ऑपरेशन के केंद्र में 111 फर्जी कंपनियां थी, जिन्हें फर्जी निदेशकों, फर्जी दस्तावेजों और फर्जी पते का इस्तेमाल कर के बनाया गया था। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि सैकड़ों बैंक खातों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई, जिसमें से एक ही खाते में थोड़े ही समय में 152 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई।

कई राज्यों में सीबीआई ने की थी छापेमारी: सीबीआई ने कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, झारखंड और हरियाणा में 27 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और वित्तीय रिकॉर्ड जब्त किए। फोरेंसिक जांच से पता चला कि विदेशी नागरिकों द्वारा विदेशों से सीधे तौर पर परिचालन नियंत्रण किया जा रहा था। वहीं, यह भी पता चला कि दो भारतीय आरोपियों से जुड़ी एक यूपीआई आईडी अगस्त 2025 तक एक विदेशी स्थान से सक्रिय रही, जिससे वास्तविक समय में विदेशी निगरानी स्थापित हुई।

दिल्ली में प्रदूषण की गंभीर स्थिति बरकरार रविवार को ,एक्यूआई पहुंचा 460 के पार

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पाबंदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे यहां का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगभग 460 दर्ज किया गया। यह वायु प्रदूषण की बेहद खतरनाक स्थिति का संकेत देता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को हवा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए ग्रैप (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना)-4 लागू कर दी थी। गौरतलब है कि आयोग ने शनिवार को पहले ग्रैप-3 लागू किया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर दिल्ली शहर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप-4 लगा दिया। वाहनों और धूल प्रदूषण (जिसका ज्यादातर हिस्सा निर्माण कार्य के कारण होता है) को दिल्ली में हवा की गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के लिए मुख्य कारण माना जा रहा है। ग्रैप-4 के प्रतिबंधों में निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियों पर रोक, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी, और बाहरी गतिविधियों को कम करने की सलाह के साथ-साथ हाइब्रिड या ऑनलाइन स्कूलिंग की सिफारिशें शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 450 से ऊपर का एक्यूआई गंभीर श्रेणी में आता है, जो आम लोगों और खासकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस या दिल की बीमारियों वाले लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है और अगर प्रदूषण की स्थिति में सुधार नहीं होता तो आगे के उपायों पर विचार किया जाएगा।

भारत पर टैरिफ के खिलाफ अमेरिकी संसद में बगावत, तीन सदस्यों ने पेश किया टैक्स हटाने का प्रस्ताव ,कहा-

शुल्क गैर-कानूनी, अमेरिकी उपभोक्ता और कारोबारियों को पहुंचा नुकसान

एजेंसी/ वाशिंगटन: भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के खिलाफ अमरीकी सांसद लामबंद होने लगे हैं। अमरीकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस नेशनल एमरजेंसी घोषणा को पलटने की कोशिश की गई है, जिसके तहत भारतीय उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया गया था। अमरीकी सांसदों ने तर्क दिया कि ये टैरिफ गैर-कानूनी, नुकसानदायक हैं और अमरीकी उपभोक्ता और कारोबारियों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस प्रस्ताव को अमरीकी संसद में पेश किया गया है और इसे पेश करने वाले सांसदों के नाम डेबोरा रॉस, मार्क वेसी और राजा कृष्णमूर्ति हैं। इस प्रस्ताव को पेश करने का मकसद उस राष्ट्रीय आपातकालीन घोषणा को खत्म करना है, जिसके आधार पर भारत पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए गए हैं। इन सांसदों का कहना है कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगाए गए ये शुल्क न सिर्फ अवैध हैं, बल्कि अमरीकी उपभोक्ताओं और कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहे हैं और अमरीका-भारत के मजबूत आर्थिक रिश्तों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

अमेरिकी संसद में जो प्रस्ताव पेश किया गया है, उसमें खास तौर पर 27 अगस्त, 2025 को भारत के ऊपर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ के खिलाफ है, जिसे ट्रंप ने भारत पर रूसी तेल खरीदने की वजह से लगाए थे। अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लगाए गए इन कदमों से कई भारतीय मूल के उत्पादों की आयात लागत अमरीका में अचानक काफी ज्यादा बहुत बढ़ गई। सांसदों का तर्क है कि इन टैरिफ का असर सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा खामियाजा अमरीकी कंपनियों, सप्लाई चेन और आम ग्राहकों को भुगतना पड़ रहा है, जिन्हें रोजमर्रा की जरूरतों के लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

समाचार सार

किसानों को धान क्रय से संबंधित पहलुओं के प्रति जागरूक करेगी वैन

बोकारो: समाहरणालय परिसर से शनिवार को जागरूकता वैन रवाना किया गया। जागरूकता वैन विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर किसानों को धान क्रय से संबंधित प्रक्रिया, समर्थन मूल्य, क्रय केंद्रों की जानकारी व सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी देगी। उपायुक्त अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीएसओ शालिनी खालखो, डीपीआरओ रवि कुमार ने तीन जागरूकता वैन को रवाना किया। डीसी ने कहा कि जागरूकता वैन से किसानों तक सही व प्रामाणिक जानकारी पहुंचायी जायेगी, ताकि वे किसी भी प्रकार के भ्रम या बिचौलियों के झांसे में न आएं। डीसी ने निर्देश दिया कि प्रचार-प्रसार के दौरान किसानों को धान की गुणवत्ता, पंजीकरण प्रक्रिया व भुगतान प्रणाली के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जायें।

गोदामों की क्षमता व रख-रखाव का लिया जायजा: उपायुक्त ने बाजार समिति-चास परिसर स्थित1000 - 1000 मैट्रिक टन क्षमता वाले बीएस सिटी, चास-वन व चास-टू गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चावल, गेहूं, चीनी व नमक के भंडारण की स्थिति का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उपायुक्त ने धान क्रय के बाद भारतीय खाद्य निगम से आवंटित चावल के रख-रखाव के लिए निर्धारित भंडारण स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने गोदामों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था व भंडारण मानक का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीएसओ को निर्देश दिया।

सड़क व पुराने गोदाम की मरम्मत का निर्देशः निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने गोदाम तक पहुंचने वाली सड़क व पुराने गोदाम की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को शीघ्र मरम्मत कार्य कराने का के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान क्रय व भंडारण कार्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त की जाये। डीसी ने बाजार समिति स्थित दुकान-उसके किराये की भी जानकारी ली। संबंधित विपणन पदाधिकारी को खाली पड़ें स्थान पर अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, जर्जर दुकानों की मरम्मति झ बाजार समिति की आय बढ़ोतरी के दिशा में किए जाने वाले कार्यों से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया।

एसआइआर, सीएए व एनआरसी होगा लागू : भानू प्रताप शाही

जामताड़ा: पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जामताड़ा में एसआइआर, सीएए और एनआरसी लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पूर्व लागू होगा। खासकर जामताड़ा, मधुपुर और पाकुड़ समेत कई ऐसे विधानसभा क्षेत्र हैं, जहां 50 हजार तक बांग्लादेशी घुसपैठिये ने शरण ली है। इन लोगों ने आधारकार्ड, वोटर कार्ड, राशनकार्ड फर्जी तरीके से बनाया है, जिसका हमलोगों के पास प्रमाण है। कहा, मैं भी स्वास्थ्य मंत्री रहा हु। मंत्रालय में रहने के बाद लगाव हो जाता है। कहा, कार्य जो किया रहता है, जो आगे नहीं बढ़ता है तो मन में पीड़ा होती है। 19 माह के लिए मंत्री बने, लेकिन मैं कह सकता हूं कि जामताड़ा जिला का अस्पताल को मैंने बनाया है। मुझे पीड़ा है, उस चीज को लोग बढ़ा नहीं रहे हैं। घटा रहे हैं। कहा, पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने जामताड़ा को मेडिकल कॉलेज दिया, लेकिन जामताड़ा के विधायक मेडिकल कॉलेज का श्रेय ले रहे हैं, जबकि डॉ इरफान अंसारी का कोई योगदान नहीं है। श्री शाही ने कहा डॉ इरफान अंसारी स्वास्थ्य मंत्री नहीं रील मंत्री है। कहीं भी एंबुलेंस नहीं जा रहा है, खटिया पर लाश व मरीजों को लाया जा रहा है। वहीं पूर्व मंत्री ने बराकर नदी स्थित बेजड़ा घाट में बालू उठाव को लेकर भी चुटकी लिया। कहा, यहां तो मंत्री के लोग बालू बिहार में बेचने का काम करता है।

निशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन

रांचीः दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), रांची शाखा द्वारा आज रांची शाखा भवन में भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची के सहयोग से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, सीए विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों के लिए एक निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस मेडिकल कैंप का मुख्य उद्देश्य व्यस्त पेशेवर जीवन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समय रहते स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना था। कैंप के दौरान प्रतिभागियों को ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, शारीरिक वजन, एसपीओ2, ईसीजी जैसी आवश्यक जांचें निशुल्क की गईं तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में सदस्यों, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इस निशुल्क मेडिकल कैंप में भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची के अनुभवी चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही, जिसमें डॉ। धनञ्जय कुमार (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ शंकर (फिजिशियन), डॉ राकेश अग्रवाल (ऑथोपैडिशियन), डॉ अंजना गांधी (जनरल सर्जन एवं गायनेकोलॉजिस्ट) तथा डॉ। शेखर स्वरूप (गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट) शामिल थे। सभी चिकित्सकों ने उपस्थित प्रतिभागियों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सलाह दी। इस मेडिकल कैंप का आयोजन सीए रोहित जैन के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया, उपाध्यक्ष सीए अनीश जैन सचिव सीए भुवनेश ठाकुर एवं कार्यकारिणी सदस्य सीए हरेन्दर भारती की गरिमामयी उपस्थिति रही। रांची शाखा के अध्यक्ष सीए अभिषेक केडिया ने अपने संबोधन में बताया कि इस प्रकार के मेडिकल कैंप का आयोजन शाखा द्वारा इसलिए किया जाता है ताकि चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों को नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण एवं व्यस्त कार्य-परिवेश में स्वास्थ्य की अनदेखी करना आम बात हो गई है, जिसका समय पर समाधान आवश्यक है। ऐसे कैंप न केवल रोगों की प्रारंभिक पहचान में सहायक होते हैं बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आईसीएआई रांची शाखा सदस्यों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। भविष्य में भी इस प्रकार के जनहितकारी एवं स्वास्थ्य-उन्मुख कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहेगा।

आईसीएआई भवन में निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

रांचीः दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई), रांची शाखा द्वारा आज रांची शाखा भवन में भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची के सहयोग से चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, सीए विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों के लिए एक निशुल्क मेडिकल हेल्थ चेक-अप कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस मेडिकल कैंप का मुख्य उद्देश्य व्यस्त पेशेवर जीवन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समय रहते स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना था। कैंप के दौरान प्रतिभागियों को ब्लड प्रेशर, रैंडम ब्लड शुगर, शारीरिक वजन, एसपीओ2, ईसीजी जैसी आवश्यक जांचें निशुल्क की गईं तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा व्यक्तिगत परामर्श भी प्रदान किया गया। बड़ी संख्या में सदस्यों, विद्यार्थियों एवं उनके परिवारजनों ने इस सुविधा का लाभ उठाया। इस निशुल्क मेडिकल कैंप में भगवान महावीर मणिपाल हॉस्पिटल, रांची के अनुभवी चिकित्सकों की टीम उपस्थित रही, जिसमें डॉ। धनञ्जय कुमार (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ शंकर (फिजिशियन), डॉ राकेश अग्रवाल (ऑथोपैडिशियन), डॉ अंजना गांधी (जनरल सर्जन एवं गायनेकोलॉजिस्ट) तथा डॉ। शेखर स्वरूप (गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट) शामिल थे। सभी चिकित्सकों ने उपस्थित प्रतिभागियों को उनके स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी सलाह दी।

धनबाद गैस रिसाव : बुजुर्ग महिला बेहोश जिला प्रशासन व बीसीसीएल की टीम सक्रिय

केंदुआडीह में दहशत का माहौल,ग्रामीणों ने निकाला विरोध मार्च

संवाददाता

रांची/धनबाद : धनबाद जिले के केंदुआडीह क्षेत्र में जमीन के नीचे से जहरीली गैस के रिसाव की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। गैस रिसाव के कारण स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। रविवार सुबह गैस के प्रभाव से एक बुजुर्ग महिला अचानक बेहोश हो गई, जिसके बाद परिजनों ने तत्परता दिखाते हुए उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। बेहोश महिला का नाम मुनिया देवी बताया गया है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत पर निगरानी रखी जा रही है।

प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों में भेजा गया: गौरतलब है कि केंदुआडीह इलाके में जहरीली गैस रिसाव की वजह से अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग सांस लेने में तकलीफ, चक्कर और अन्य बीमारियों से पीड़ित हो चुके हैं। लगातार हो रही घटनाओं से लोगों में भय और असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और बीसीसीएल की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए राहत शिविरों की व्यवस्था की गई है।

ग्रामीण प्रशासन के इस प्रस्ताव से सहमत नहीं: इसके साथ ही प्रशासन ने केंदुआडीह के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पुनर्वासित करने के लिए वैकल्पिक जमीन भी चिन्हित की है। हालांकि, स्थानीय ग्रामीण प्रशासन के इस प्रस्ताव से सहमत नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चिन्हित स्थान शहर से काफी दूर है और वहां रोजगार के कोई साधन उपलब्ध नहीं हैं। उनका आरोप है कि वे पीढ़ियों से इसी क्षेत्र में रहकर अपनी रोजी-रोटी कमा रहे हैं और अचानक विस्थापन से उनका जीवन प्रभावित होगा।

केंदुआडीह में ग्रामीणों ने विरोध मार्च भी निकालाः बताया जा रहा है कि केंदुआडीह के कोलियरी क्षेत्र में तीन से चार स्थानों पर गैस का रिसाव हो रहा है। गैस को नियंत्रित करने के लिए तकनीकी टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस सफलता नहीं मिल पाई है। लोगों की परेशानी को देखते हुए राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने शनिवार को केंदुआडीह का दौरा किया, राहत शिविरों का जायजा लिया और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्य सचिव ने धनबाद में गैस रिसाव वाले इलाके और बेलगड़िया टाउनशिप का किया निरीक्षण, कहा-

ग्रामीणों की सलाह जरूरी

धनबादः केंदुआडीह क्षेत्र में गैस रिसाव वाले इलाके झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने दौरा किया। उनके साथ प्रभारी डीजीपी तदास मिश्रा, बीसीसीएल के सीएमडी, डीसी, एसएसपी समेत कई आला अधिकारी मौजूद रहे। अविनाश कुमार पूरे इलाके का निरीक्षण किया और लोगों से बातचीत भी की। लोगों की सरकार से जो आकांक्षाएं हैं, उन्हें सुनी और विचार करने का आश्वासन भी दिया। यही नहीं बेलगड़िया टाउनशिप का भी मुख्य सचिव एवं अन्य अधिकारियों ने निरीक्षण किया। जहां प्रभावित परिवारों को बसाया जाना है।

गैस रिसाव को नियंत्रित करना चुनौतीः मुख्य सचिव मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि गैस रिसाव की घटना पर पूरी तरह से नियंत्रण रखना बड़ी चुनौती है। प्राकृतिक कारणों से ऐसी घटनाएं घटती हैं, हालांकि विशेषज्ञों की रिपोर्ट पर विचार विमर्श जारी है। मुख्य सचिव ने कहा कि पल-पल का अध्ययन किया जा रहा है। ग्रामीण सालों से यहां रहते हैं, बेहतर परिस्थिति वही समझते हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्रामीणों की सहभागिता के बिना समाधान निकालना मुश्किल है।

लोगों से बातचीत कर मुख्य सचिव ने सुरक्षा का दिया भरोसाः मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार लोगों को सुरक्षित स्थान पर बसाने और गैस रोकने की दिशा में आकलन करने में जुटी है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय लोगों के बीच बेहतर ताल मेल बैठाकर ही कोई निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक, सांसद, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से बातचीत के माध्यम से समस्या का हल निकाला जाएगा। राज्य और केंद्र दोनों सरकारें घटना को लेकर काफी गंभीर हैं। केंदुआडीह में मुख्य सचिव ने लोगों के बीच माइक के जरिए बातचीत भी की और लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

बेलगड़िया टाउनशिप में सुविधाओं का लिया जायजाः मुख्य सचिव अविनाश कुमार और डीजीपी समेत तमाम अधिकारियों ने बेलगड़िया टाउनशिप का भी दौरा किया। जहां पर वर्तमान में दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मौके पर लोगों से बातचीत कर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी भी ली। मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्य सचिव ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सरकार सजग है।

मामला केंद्र के अधीन, लेकिन राज्य सरकार को भी सोचने की जरूरतः विधायक मौके पर धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि घटना को विधानसभा में भी आवाज उठाया और मुख्यमंत्री से मिलकर समस्या का समाधान के लिए लिखित आवेदन दी गई है। विधायक ने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार के अधीन है, लेकिन राज्य सरकार को भी लोगों की सुरक्षा के बारे में सोचने की जरूरत है।

श्रुति मिश्रा ने झारखंड का नाम किया रोशन

मिस महाराष्ट्र में जीता फर्स्ट रनर-अप का खिताब

संवाददाता

रांची : झारखंड की होनहार बेटी श्रुति मिश्रा (22 वर्ष) ने गोवा में आयोजित मिस & मिसेज महाराष्ट्र प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए मिस महाराष्ट्र फर्स्ट रनर-अप का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है। इस उपलब्धि के साथ श्रुति ने न केवल स्वयं को, बल्कि पूरे झारखंड की प्रतिभाओं और रचनात्मकता को गौरवान्वित किया है।

श्रुति गढ़वा के उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा की पुत्री हैं और मूल रूप से बोकारो स्टील सिटी, झारखंड से संबंध रखती हैं। वे पुणे में बीबीए एलएलबी की पढ़ाई कर रही हैं। पढ़ाई के साथ-

साथ उन्होंने अतिरिक्त गतिविधियों, मंच कला और व्यक्तित्व विकास में विशेष रुचि दिखाई है।

प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन कारा फाउंडेशन द्वारा किया गया, जिसकी संस्थापक जोया सिराज शेख हैं। प्रतियोगिता 28 नवंबर से 2 दिसंबर तक ताज विवांता, गोवा में आयोजित हुई, जिसमें देशभर से अंतिम रूप से चयनित 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एलेना मैक्सीमोवा हिना खान (बॉलीवुड अभिनेत्री) और जोया सिराज शेख जैसी विशिष्ट हस्तियाँ उपस्थित रहीं। विशेष आकर्षण यह रहा कि हिना खान ने स्वयं मंच पर श्रुति मिश्रा को क्राउन पहनाया।

श्रुति मिश्रा ने आत्मविश्वासपूर्ण मंच संचालन, संतुलित व्यक्तित्व, प्रभावशाली रैम्प वॉक और गरिमामयी प्रस्तुति के माध्यम से निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। उनकी इस उपलब्धि ने गढ़वा, बोकारो और पूरे झारखंड के क्रिएटिव युवाओं को गर्व की अनुभूति कराई है।

श्रुति ने भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने तथा महिला सशक्तिकरण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक कार्यों में योगदान देने की इच्छा व्यक्त की है। बेटी की इस उपलब्धि पर उप विकास आयुक्त पीएन मिश्रा ने खुशी जाहिर की है। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों और परिचित लोगों ने श्रुति को बधाई दी।

झारखंड राज्य किसान सभा का 8वां सम्मेलन 26 फरवरी से

रांचीः झारखंड राज्य किसान सभा का 8वां सम्मेलन 26 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा। सम्मेलन के व्यापक तैयारी का निर्णय लिया गया है ज्ञात हो 26 फरवरी को नगड़ी में किसान रैली को राष्ट्रीय किसान नेता संबोधित करेंगे। राज्य सम्मेलन स्वागत समिति के अध्यक्ष-सुरेश मुंडा , सचिव- मदुवा कच्छप, कोषाध्यक्ष -शंकर उरांव, संरक्षक डा, मिथलेश सिंह-, एवं कार्यकारी अध्यक्ष भवन सिंह, तथा ललित मुंडा एवं उपाध्यक्ष - कृति सिंह मुंडा,बिगल उरांव, प्रदीप महतो, महेश मुंडा तथा संयुक्त सचिव कपील महतो, प्रफुल्ल लिंडा,राजू मुंडा , सोमरा मुंडा चुनें गए। इसके अलावा अमित मुंडा,बिगल उरांव, अशोक मुंडा, बिरसा उरांव, सोमरा मुंडा, समीर मुंडा,महेश महली, अमित नडूवा,अशोक मिंज,रघु महली,राजू महली,निमा तिर्की,बिणा कुमारी, प्रदीप महतो,लखवा उरांव,राजू पाहान, नमिता कुमारी,रबि उरांव, अंजय मुंडा,सममुला अंसारी,नरेश उरांव,रामज्ञय मिश्रा,झरी मुंडा, प्रवीण मुंडा,गुजा उरांव सहित 51 सदस्यीय स्वागत समिति का गठन किया गया। बैठक में दिशा-निर्देश के लिए झारखंड राज्य किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुफल महतो ने संबोधित करते हुए कहा 26,27,28, फरवरी 2026 के पूर्व गांवों, पंचायतों, अंचलो में सम्मेलन के पश्चात दिसम्बर में सभी जिलों में किसान सम्मेलन होंगे, राज्य सम्मेलन में राज्य भर से निर्वाचित किसान प्रतिनिधि भाग लेंगे तथा बतौर पर्यवेक्षक अखिल भारतीय किसान सभा के शीर्ष नेता उपस्थित रहेंगे।

पुलिस ने फर्जी सामूहिक दुष्कर्म के मामले का किया खुलासा ,पांच आरोपी गिरफ्तार

बहकावे में आकर महिला ने पर रचा फर्जी सामूहिक दुष्कर्म का खेल

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में एक महिला द्वारा फर्जी सामूहिक दुष्कर्म के मामले में रांची पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस वारदात को पूरी प्लानिंग के साथ महिला ने जमीन कारोबारी के कहने पर अंजाम दिया था। मामले में कारवाई करते हुए पुलिस ने महिला, जमीन कारोबारी समेत पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया की फर्जी सामूहिक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार आरोपियों में एक महिला, बलसोखरा निवासी जमीन कारोबारी साबिर खान, मो। नसीम, इम्तियाज आलम और विक्की खान शामिल है। पूछताछ में आरोपी महिला ने चौंकाने वाला खुलासा किये हैं

पुलिस की पूछताछ में ये पता चला कि आरोपी महिला और नसीम खान के बीच

साली-जीजा का रिश्ता है। चान्हो निवासी मुदबिर के साथ जमीन कारोबारी साबिर के साथ विवाद चल रहा था। आरोपी साबिर ने अपने साथ काम करने वाले नसीम से मिलकर उसे फंसाने की प्लानिंग की, जिसके बाद नसीम ने अपनी साली को 50 हजार रुपए दिए।

अपनी जीजा नसीम के कहने पर महिला ने सद्दाम समेत अन्य के विरूद्ध सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज बेड़ो थाना में दर्ज कराया। जिसके बाद पुलिस ने एक प्राथमिकी अभियुक्त सद्दाम अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्राथमिकी अभियुक्त के परिजनों ने आईजी से मामले की जांच करने का आग्रह किया। जिसके बाद ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में गठित टीम ने मामले का उद्भेदन किया।

ग्रामीण एसपी के अनुसार पुलिस की जांच में पता चला कि महिला ने बेड़ो इलाके में सामूहिक दुष्कर्म की बात बतायी थी। पुलिस की टीम ने जब महिला के बताए हुए घटनास्थल की जांच की तो न तो प्राथमिकी अभियुक्तों को मोबाइल लोकेशन मिला और न ही किसी अन्य तरह का साक्ष्य पाए गये।

जिसके बाद पुलिस की टीम महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की, कड़ाई से पूछताछ के बाद महिला ने पूरी घटना को खुलासा किया। जांच के क्रम में पुलिस को यह भी पता चला कि आरोपी महिला लगातार प्राथमिकी अभियुक्तों से केस उठाने के एवज में मोटी रकम की डिमांड कर रही थी।

आरोपी महिला ने बालसोरगा निवासी रागिब अकरम, वकार अहमद, मुद्दबिर परवेज, इजहार आलम और सद्दाम अंसारी के विरूद्ध बेड़ो थाना में अक्टूबर माह में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने उसे जबरन अपने साथ बेड़ो इलाके में ले गए और बारी-बारी से दुष्कर्म किया। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सद्दाम अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

आरोपी जमीन कारोबारी साबिर खान बालसोगरा समेत आसपास इलाके में दबंगई दिखाता था। वह अपने निजी बॉडीगार्ड के जरिए न सिर्फ लोगों को डराता-धमकाता था बल्कि जमीन पर भी कब्जा किया करता था। आरोपी साबिर पहले पर आर्मस एक्ट समेत अन्य मामले दर्ज हैं और वो कई बार आरोपी जेल भी जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने शहर का किया औचक निरीक्षण

बिना किसी प्रोटोकॉल और विशेष सुरक्षा व्यवस्था के सड़क पर उतरे सीएम

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को बिना किसी पूर्व सूचना के बस में सवार होकर राजधानी रांची की शहरी व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री आम यात्रियों के बीच मौजूद रहे और शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर उनकी गाड़ी चलती रही, लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी।

इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने शहर की यातायात व्यवस्था, सड़कों की स्थिति, साफ-सफाई, पैदल यात्रियों की सुविधाओं और सार्वजनिक स्थलों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। इस औचक निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य

शहरी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को समझना और आम नागरिकों को होने वाली समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से देखना था।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहरी विकास से जुड़ी सभी योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर आवागमन, स्वच्छ वातावरण और सुरक्षित जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क मरम्मत, जलनिकासी, ट्रैफिक प्रबंधन और साफ-सफाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने इस निरीक्षण से जुड़ी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा करते हुए लिखा कि झारखंड सरकार राज्य के प्रत्येक शहर को रहने योग्य, सुरक्षित और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए, ताकि नागरिक सम्मान के साथ बेहतर जीवन जी सकें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने यह भी कहा कि प्रशासन को संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करना होगा। सरकार आम जनता की समस्याओं को लेकर पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है। इस औचक निरीक्षण के दौरान रांची के उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री, नगर प्रशासक सुशांत गौरव सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मिली बॉबी ब्राउन ने यास आइलैंड को बताया शूटिंग के लिए बेहतरीन जगह

रांची: स्ट्रेंजर थिंग्स की लोकप्रिय अभिनेत्री मिली बॉबी ब्राउन ने हाल ही में यास आइलैंड पर हुई शूटिंग को यादगार बताते हुए कहा कि यहाँ के रोमांचक माहौल और विविध आकर्षणों ने उनके काम को खास बना दिया। उन्होंने कहा कि इस जगह पर हर तरह का अनुभव देखने को मिलता है, जिससे शूटिंग के दौरान ऊर्जा और उत्साह बना रहता है। मिली के अनुसार, यह माहौल कहानी के रहस्य और रोमांच को उभारने में मदद करता है और दर्शकों को कुछ नया व दिलचस्प देखने को मिलेगा।

रांची प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को सुबोधकांत सहाय ने दी बधाई

रांची: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने रांची प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदधारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री सहाय ने अपनी ओर से शुभकामना संदेश संप्रेषित करते हुए कहा है कि रांची प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदधारियों और कार्यकारिणी सदस्यों के नेतृत्व में पत्रकार हित में ठोस कदम उठाए जाएंगे, ऐसी आशा है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता पेशे की गरिमा बनाए रखते हुए पत्रकार हित में रांची प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदधारी व कार्यकारणी के सदस्य सतत प्रयासरत रहें। उन्होंने नई कमेटी के सफलतम कार्यकाल और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रेस क्लब चुनाव लोकतंत्र की जीत, पत्रकार एकता का प्रतीक : गुलाम शाहिद

रांची: प्रेस क्लब के सफलतापूर्वक संपन्न हुए चुनाव को लेकर चुनाव संचालन समिति के सदस्य गुलाम शाहिद ने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं तमाम मतदाताओं को दिल की गहराइयों से ढेरों शुभकामनाएं और बधाई दी है। गुलाम शाहिद ने कहा कि प्रेस क्लब के साथियों ने उन पर भरोसा जताते हुए चुनाव संचालन की जिम्मेदारी सौंपी, जिसके लिए वे सभी पत्रकार साथियों के आभारी हैं। उन्होंने पूरी लगन, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ चुनाव संपन्न कराने का प्रयास किया, ताकि लोकतांत्रिक मूल्यों की गरिमा बनी रहे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे बिना किसी भेदभाव के सभी पत्रकारों के हित में कार्य करें और प्रेस क्लब के विकास को सर्वोपरि रखें। आपसी भाईचारा, एकता और सहयोग ही प्रेस क्लब की असली ताकत है, जिसे हर हाल में कायम रखा जाना चाहिए। उर्दू दैनिक फारूकी तंजीम के स्थानीय संपादक गुलाम शाहिद ने एक बार फिर प्रेस क्लब के सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं मतदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि नया नेतृत्व पत्रकारिता की गरिमा को और ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

संत मरिया महागिरजा घर में क्रिसमस गैदरिंग शुरू

प्रेम, आनंद, शांति व आशा का पर्व है क्रिसमसः फादर नीलम तिडु

संवाददाता

रांची : पुरूलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजा घर में दो दिवसीय क्रिसमस गैदरिंग शुरू हुई। इस दौरान चर्च परिसर में कई कार्यक्रम आयोजित हुए। पहले दिन फादर नीलम तिडु ने क्रिसमस का संदेश दिए, कहा कि प्रभु का वचन हमें स्मरण कराता है कि आज दाऊद के नगर में हमारे मुक्तिदाता प्रभु यीशु मसीह का जन्म हुआ। क्रिसमस प्रेम, आनंद, शांति और आशा का पर्व है।

इस अवसर पर हम आपसी सहयोग, सेवा और भाईचारे की भावना को अपनाएं। बाल यीशु का जन्म हमारे हृदयों में विश्वास, उदारता और शांति की ज्योति जलाए। एकदूसरे से मिलकर खुशियां बांटे और प्रभु के प्रेम को अपने कर्मों द्वारा प्रकट करें।

आयोजन में रांची पल्ली युवा युवा संघ अध्यक्ष पीटर मिंज, अंकिता टोपनो, सचिव डेसन जॉय, सलाहकार अभिषेक सागर लकड़ा, रंजिता नेहा कुजूर, प्रेरणा किस्पोट्टा, अंशु लुगुन, मयंक समेत 50 लोग शामिल हुए।

संत मरिया महागिरजाघर में दो दिवसीय क्रिसमस सह मीना बाजार आयोजित किया गया। इस अवसर पर संत जेवियर कॉलेज हॉस्टल, संत लुईस स्कूल, उसुर्लाइन स्कूल, संत जॉन स्कूल समेत विभिन्न स्कूल और हॉस्टलों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत चरनी आशिष से हुई। कैरोल सॉन्ग हुई। नागपुरी गीत संगीत का आयोजन हुआ। 30 स्टॉल से पूरे परिसर को सजाया गया है। क्रिसमस, सामग्री, इटली, केक समेत अन्य वस्तुओं की स्टॉल लगाए गए।

झारखंड मुस्लिम युवा मंच ने मुख्यमंत्री और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री का किया आभार व्यक्त

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड मुस्लिम युवा मंच ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाफिजुल अंसारी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। यह अभूतपूर्व आभार, अलीम-फाज़िल के विद्यार्थियों को सरकारी नौकरी में नियुक्ति के लिए पात्र बनाने के दूरदर्शी और ऐतिहासिक निर्णय के लिए व्यक्त किया गया है। झारखंड मुस्लिम युवा मंच के तेजस्वी अध्यक्ष, मोहम्मद शाहिद अय्यूबी ने इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल शिक्षा और प्रतिभा को समान अवसर

प्रदान करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि यह ऐतिहासिक कदम हजारों मेधावी युवाओं के लिए उज्जवल भविष्य के द्वार खोलता है। यह समावेशी राजनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अलीम-फाज़िल के विद्यार्थियों को सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए पात्र बनाने का यह प्रगतिशील निर्णय सामाजिक न्याय, समावेश और विकास के प्रति झारखंड सरकार की मजबूत और अटल प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

विशेष प्रतिनिधि मंडल ने किया गर्मजोशी से सम्मानः झारखंड मुस्लिम युवा मंच के विशेष प्रतिनिधि मंडल ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हाफिजुल अंसारी को फूलों का भव्य गुलदस्ता और सम्मान का प्रतीक शॉल भेंट कर हार्दिक सम्मान व्यक्त किया।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर मोहम्मद शाहिद अय्यूबी (अध्यक्ष),टार्जन जियाउल्लाह हक,असफर खान,मो इरशाद अलम विक्की,रशीद अंसारी ,अरहान अली,मो महताब आलम,अरशद अली,सोनू शाहिद रहमान,सैयद अशफाक व अन्य उपस्थित थे।

राज्यस्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता के लिए रांची से 6 पुरुष और 2 महिला बॉक्सिंग खिलाड़ियों का चयन

मेट्रो रेज

रांची : सीनियर बॉक्सिंग राष्ट्रीय प्रतियोगिता को देखते हुए झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन ने दिनांक 17 से 18 दिसम्बर 2025 को जमशेदपुर के जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दो दिवसीय राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया है। गुलाम जावेद कोषाध्यक्ष रांची जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन की देखरेख में रांची जिला के सीनियर बॉक्सरों महिला एवं पुरूष का चयन शिविर खेलगांव स्थित बॉक्सिंग हॉल होटवार रांची मे संपन्न हुआ।

रांची जिला के मान्यता प्राप्त क्लब के खिलाड़ियों ने इस चयन शिविर में हिस्सा लिया। जिसमें रांची से 6 पुरुष और 2 महिला बॉक्सिंग खिलाड़ियों का चयन हुआ।

पुरुषों में : 47 से 50 किग्रा में दिव्यांश ओझा, 50 से 55 किग्रा में रोहित कुमार, 55 से 60 किग्रा में अविनाश कुमार , 60 से 65 किग्रा में जय कुमार महतो ,65 से 70 किग्रा में रोहित कुमार यादव ,70 से 75 किग्रा में सचिन कुमार पाण्डेय।

लड़कियों में : 57 से 60 किग्रा में स्नेहा कुमारी गुप्ता,60 से 65 किग्रा में काजल कुमारी का चयन हुआ। टीम कोच गुलाम जावेद टीम मेनेजर आशुतोष कुमार का चयन हुआ। जिसमें बीबी मोहंती द्रोणाचारी अवॉर्डी उपस्थित रहे। आरजे विमल आनंद नाग,सचिन कुमार उपस्थित थे। मुख्य रूप से कोच कमल किशोर कच्छप,प्रमोद

डीएवी में क्षमता संवर्धन कार्यशाला

खलारीः डीएवी स्कूल खलारी में सीबीएसई (सीओई) पटना के तत्वावधान में छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना विषय पर क्षमता संवर्धन कार्यशाला आयोजित की गयी। सीबीएसई से नियुक्त संसाधक अर्चना अग्रवाल व डॉ सुमित कौर ने प्राचार्य डॉ कमलेश कुमार के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। डीएवी खलारी सहित क्षेत्र के सीबीएसई विद्यालयों के 59 शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया। संसाधक अर्चना अग्रवाल और डॉ सुमित कौर ने विस्तार पूर्वक विद्यालयों में विद्यार्थियों के साथ आनेवाली व्यावहारिक समस्याओं, मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं से निबटने की जानकारी दी। बताया गया कि विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता, अभिभावकों से भी हमें बच्चों की समस्याओं के बारे में जानने का प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला में प्राचार्य डॉ कमलेश कुमार वेन्यू डायरेक्टर के रूप में उपस्थित थे। कार्यशाला के अंत में विद्यालय के सुपरवाइजरी हेड कंचन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

रांची विवि के पीजी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन कल से

रांची : रांची विश्वविद्यालय, रांची के अंतर्गत संचालित सभी पीजी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन की प्रक्रिया 15 दिसंबर 2025 से शुरू होगी। यह नामांकन विश्वविद्यालय के पीजी विभागों में होगा। यह प्रक्रिया संबद्ध महाविद्यालयों में भी लागू रहेगी। नामांकन चांसलर पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा। पीजी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रपत्र 17 दिसंबर 2025 से उपलब्ध होंगे। फॉर्म चांसलर पोर्टल पर जारी किए जाएंगे। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन निर्धारित तिथि से ही स्वीकार किए जाएंगे। स्नातक अंतिम वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते हैं। अपीयरिंग छात्र नामांकन के लिए पात्र होंगे। नामांकन विश्वविद्यालय और चांसलर द्वारा निर्धारित नियमों के अधीन होगा।

शॉर्टसर्किट से घर में लगी आग, कोई हताहत नहीं

खूंटी: जिले के मोहना टोली के एक मकान में दोपहर एक बजे के आस पास भीषण आग लग गई, आग मोहना टोली के श्याम कुमार साहू, पिता स्वर्गीय रामधारी साहू के घर पर लगी जो देखते ही देखते काफी विकराल रूप ले लिया। बताया जा रहा है कि उस वक्त घर पर श्याम कुमार की मां भाभी और बच्चे छत के ऊपर थे पर उन्हीं आग लगने की जानकारी नहीं थी। उनके घर पर लगा आग जब खिड़की और वेंटीलेटर से बाहर आने लगा तब पड़ोसियों को पहले जानकारी मिली जिसके बाद आप पास के लोगों के द्वारा हल्ला करके घर के लोगों को आग लगने की जानकारी दी गई। आग लगने के कारण घर के लोगों दूसरों के छत से नीचे आ सके। आग लगने की जानकारी लोगो के द्वारा अग्निशमन विभाग को दी गई पर उनकी गाड़ी मोहना टोली आने वाले रस्ते में ही फंस गई। जिस कारण आस परोस के लोग और अग्निशमन विभाग के कर्मी पड़ोसियों के घर से तीन मोटर से पानी चला कर और बालू की सहायता से आग पर काबू पाया। घर के मालिक श्याम कुमार ने बताया कि घर पर पानी गरम करने के लिए हीटर रोड का इस्तेमाल किया जा रहा था।

हैवी ट्रांसफार्मर लेकर मेरठ से राउरकेला जा रहा ट्रक पलटा, आवागमन घंटों रहा बाधित रहा

कई किलोमीटर तक लगी गाड़ियों की लंबी कतार

खूंटी: आज रविवार को खूंटी जिला के खूंटी- सिमडेगा मार्ग पर कुंजल जुर्दाग मार्ग जो खूंटी सिमडेगा के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है उस मोड पर एक सोलह चक्का ट्रक जिसपर बिजली विभाग का ट्रांसफार्मर लदा था वो पलट गया । जिससे पूरा मार्ग जाम हो गया और गाड़ियों की लंबी लंबी कतरे कई किलोमीटर तक लग गई। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और जांच में जुट गई। दुर्घटना ग्रस्त ट्रक के ड्राइवर

रोहित कुमार ने बताया कि वो मेरठ रामराज्य से ट्रांसफार्मर लेकर राउरकेला जा रहा था पर कुंजल से जुर्दाग जाने वाले मोर पर गाड़ी के झोल मरने और हैवी ट्रांसफार्मर लोड होने के कारण ट्रक बाईं तरफ पलट गया जिससे ट्रक का बॉडी क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिस कारण काफी लंबा जाम इस मार्ग पर लग गया। दो क्रेनों की सहायता से ट्रक और ट्रांसफार्मर को मार्ग से हटाने और यातायात सुचारू करने की कोशिश जारी है। पर ट्रांसफार्मर के अधिक वजन होने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पर रहा है। खूंटी सिमडेगा मार्ग पर बीचना पुल के टूटने और डाइवर्सन बनने में आ रही देरी से इस मार्ग पर रोजाना ही कोई न कोई हादसा होता रहता है जिससे स्थानीय लोगों में काफी रोष है।

पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा झारखण्ड

लापता महिला की तलाश

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यह महिला जिसका नाम सुमित्रा देवी उम्र करीब 36 वर्ष, पति–बनी लोहरा, सा0–नवाडीह, थाना–किस्को, जिला–लोहरदगा, लम्बाई –5 फीट 2 इंच रंग–सावला चेहरा–गोल, पहनावा–लाल साड़ी–ब्लाउज भाषा – सादरी और हिन्दी जिसका अबतक पता नहीं चल पाया है। इस संदर्भ में किस्को थाना सन्हा सं0–28/25 दिनांक–08.11.25 में दर्ज है, पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अबतक इस लापता महिला के बारे में कुछ भी जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस महिला के बारें में कोई भी जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

Email:-sp-lohardaga@jhpolice.gov.in पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा (झारखण्ड)
फैक्स : 224097 दुरभाष:9431706218
दुरभाष: 06526–222370 थाना प्रभारी, किस्को थाना।
दुरभाष: 7001933737

(श्री सादिक अनवर रिजवी)
पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा।

PR.NO.368494 Lohardaga(25-26):D

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले सोचें

आजकल सोशल मीडिया लोगो की रोजमर्रा की जिंदगी पर हावी हो गया है। भारत की बात करें, तो सोशल नेटवर्किंग साइट्स लोगों, खास तौर पर युवाओ के लिए नशे जैसी हो गई हैं। आलम यह है कि बहुत-से लोगों को रोज फेसबुक-ट्विटर देखे बिना नींद ही नही आती। दिक्कत यह है कि कई लोग इस भ्रम में होते हैं कि वे सोशल मीडिया पर कुछ भी लिख सकते हैं, किसी के बारे में कुछ भी विचार व्यक्त कर सकते हैं.यहां सब कुछ चलता है!

जरा सोचिए, व्यवहारिक दुनिया में आप कितने डिप्लोमैटिक रहते हैं।अपने बॉस या सहकर्मी के बारे में आपके मन में जो विचार आते हैं, क्या वे सभी विचार आप उनके सामने व्यक्त कर सकते हैं? नहीं ना? तो यह क्यों सोचते हैं कि सोशल मीडिया में आप वह सब कुछ लिख सकते हैं, जो आपके मन में आए?

सच तो यह है कि सोशल मीडिया पर सक्रियता अगर कुछ हद तक आपकी तरक्की की राह आसान करती है, तो कई बार आपकी गलती से यह सक्रियता तरक्की की राह में रोड़ा भी बन सकती है। सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करने से पहले उसके असर के बारे में जरूर सोच-विचार कर लें। ऐसा कुछ पोस्ट करने का प्रयास करें, जिससे आपका करियर बेहतर होता हो, न कि ऐसा कुछ जिससे आपके करियर की गाड़ी पटरी से उतर जाए।

तस्वीरों से बचें

फेसबुक या अन्य किसी नेटवर्किंग साइट पर अपनी ऐसी कोई तस्वीर न रखें, जिससे आपकी छवि खराब होती हो। मसलन, अगर कोई टीचर है और शराब पार्टी में शामिल होने की फोटो शेयर करता है, तो इससे उसकी अपने स्टूडेंट्स के बीच छवि खराब हो सकती है।

प्लेटफॉर्म का ध्यान रखें

यह ध्यान रखें कि किस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कैसी चीज पोस्ट की जा सकती है। उदाहरण के लिए बच्चों की गतिविधि अपनी हॉबी, मंदिर जाने जैसी रोजमर्रा की जानकारी आप फेसबुक पर शेयर कर सकते हैं लेकिन लिंक्डइन जैसी प्रोफेशनल नेटवर्किंग वेबसाइट पर नहीं। लिंक्डइन पर ऐसी पर्सनल जानकारी या तस्वीरें शेयर करनी चाहिए, जिससे प्रोफेशनल तस्वीर प्रभावित हो।

नकारात्मकता से दूर रहें

आपके सोशल मीडिया अकाउंट पर आपकी प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ के बारे में लोगों के मन में पॉजिटिव इमेज बननी चाहिए। आपकी पोस्ट नकारात्मकता से भरी होगी, तो आपके बारे में अच्छी राय नहीं बनेगी। इस बात पर विचार करें कि आपके पोस्ट से ज्यादा-से-ज्यादा लोग आपसे जुड़ रहे हैं या आपसे दूर होते जा रहे हैं।

करियर में चार चांद लगा सकती है वॉटर साइंस फील्ड

वॉटर साइंस यानी जल विज्ञान अपने आपमें साइंस की एक बड़ी शाखा है। इसमें न सिर्फ वॉटर साइकिल को स्टडी किया जाता है, बल्कि रिसर्च करके अलग-अलग जगहों पर पानी से जुड़ी प्रॉब्लम्स को दूर करने के विकल्प तलाशे जाते हैं।

आज दुनिया का शायद ही ऐसा कोई देश हो, जो पानी से जुड़ी किसी समस्या से ग्रस्त न हो। ऐसे में एक वॉटर साइंटिस्ट के लिए हर जगह संभावनाएं हैं। यह एक ऐसी फील्ड है, जो आपके करियर में चार चांद लगा सकती है।

क्या है वॉटर साइंस

वॉटर साइंस पानी की जमीन और भूमिगत प्रॉसेस से रिलेटेड साइंस है। इसमें धरती पर मौजूद पहाड़ों और मिनरल्स के साथ पानी की फिजिकल, केमिकल और बायोलॉजिकल प्रॉसेस और लिविंग ऑर्गेनिज्म्स के साथ इसकी एनालिसिस शामिल है। वॉटर साइंस की स्टडी करने वाले एक्सपर्ट्स ही वॉटर साइंटिस्ट कहलाते हैं। वॉटर साइंस की फील्ड में हाइड्रोमिटिरोलॉजी, भूतल, वॉटर साइंस, हाइड्रोजियोलॉजी, ड्रेनेज बेसिन मैनेजमेंट और जल गुणवत्ता से जुड़े सब्जेक्ट्स आते हैं। इसकी कई ब्रांचेज हैं, जैसे- केमिकल वॉटर साइंस, इकोलॉजिकल वॉटर साइंस, हाइड्रोइन्फॉरमैटिक्स वॉटर साइंस।

क्या हैं फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स?

वॉटर साइंटिस्ट बनकर आप विभिन्न प्रकार के ऑर्गेनाइजेशन्स के लिए काम करके अच्छी सैलरी पा सकते हैं। सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं में वॉटर साइंटिस्ट को अच्छे पैकेज पर एपॉइंट किया जाता है। इसके अलावा आप कंसल्टर के रूप में भी काम कर सकते हैं। जैसे- सिविल इंजीनियरिंग, एनवायरमेंटल मैनेजमेंट और इवैल्युएशन में सेवाएं उपलब्ध कराना। इसके अलावा आप नई एनालिटिकल टेक्नीक्स के जरिए टीचिंग और रिसर्च भी कर सकते हैं। यूटिलिटी कंपनियां और सार्वजनिक प्राधिकरण के साथ जुड़कर जलापूर्ति और सीवरेज सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

वॉटर रिसोर्सेज डेवलपमेंट और मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आपमें पेशेंस, डिटरमिनेशन, विस्तृत और अच्छी एनालिसिस करने की एबिलिटी होनी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही टीम वर्क की भावना और एफेक्टिव कम्युनिकेशन इस फील्ड में बने रहने के लिए जरूरी है।

कौन से कोर्सेज हैं जरूरी?

देशभर की कई यूनिवर्सिटीज वॉटर साइंस और वॉटर रिसोर्सेज जैसे सब्जेक्ट्स में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स कराती हैं। वॉटर साइंस में करियर बनाने के लिए आप इस सब्जेक्ट से बीएससी करने के बाद एमएससी और फिर पीएचडी या एमफिल कर सकते हैं।

कैसा है रेम्युनेरेशन?

अपने करियर की शुरुआत में आप 18-20 हजार रुपए तक कमा सकते हैं। इस फील्ड में एक्सपीरियंस काफी मायने रखता है।

खुद के लिए समय निकालें

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनके पास घर, काम, अपने समुदाय की तरह-तरह की जिम्मेदारियों की अच्छी खासी सूची है और आप इसे संतुलित करने की कोशिश में लगे रहते हैं। आपका यह इरादा प्रशंसनीय है कि आप एक साथ कई जिम्मेदारियों को बखूबी निभा रहे हैं। लेकिन आपको एक अलग अप्रोच के लिए काम करने का तरीका अपनाना चाहिए। यहां कुछ टिप्स दिए जा रहे हैं जो कि आपके लिए फायदेमंद हो सकते हैं

- आपको उन चीजों पर ज्यादा फोकस करना चाहिए जो आपके लिए ज्यादा मायने रखते हों। अगर आप चीजों को आसान बनाना चाहते हैं तो आपके पास एक सिंगल टास्क लिस्ट होनी चाहिए। आपको आपके कैलेंडर में सारी चीजें फीड करना चाहिए और उन्हें प्राथमिकता के हिसाब से पूरा करते रहना चाहिए। इस तरह आपका ध्यान फोकस रहेगा और आप काम में भटकेंगे नहीं। इसका एक कारण यह भी है कि प्राथमिकता तय करने से आप महत्वपूर्ण काम को पहले कम पाएंगे जिससे आप रिलेक्स भी रहेंगे।
- अगर आप सामान्य से कुछ घंटे पहले नींद से उठने की आदत डालेंगे तो आपको पूरे दिन रिलेक्स महसूस होगा। आप एक्सरसाइज कर सकते हैं, पढ़ सकते हैं और शांति से ब्रेकफास्ट कर सकते हैं। साथ ही जल्दी उठने के हेल्थ बेनिफिट्स भी आपको मिलेंगे। जल्दी उठने वाले प्रोएक्टिव, पीसफुल और डिप्रेशन से कोसों दूर रहते हैं।
- आपने अपना सौ प्रतिशत दिया लेकिन आप जिस तरह का रिजल्ट चाहते थे, नहीं आ पाया। ऐसे में निराश होना स्वाभाविक है। अब लोग उसे लेकर ही चिंतन-मनन में लगे रहते हैं और अपनी प्रोडक्टिविटी प्रभावित करते हैं। आप अपने साथ ईमानदार रहें और चीजों में सौ प्रतिशत देने के बाद उसके परिणाम को लेकर आशंकित न रहें।
- आपके पास पहले से ही खूब काम हैं और ऊपर से आप ने मेमकान की जिम्मेदारी और लेकर अपना वर्डन बढ़ा लिया। अगर आप किसी भी काम में ना कहने से हिचकिचाते हैं तो यह आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको अपने रूटीन में थोड़ा पर्सनल टाइम चाहिए होता है और उसमें भी आपने कुछ ऐसे टास्क ले लिए जो आपके हाथ निराशा ही हाथ लगेगी। मी टाइम लेकर अपराधबोध मत रखिए। यह आपके लिए बहुत जरूरी है।

इंटरनेशनल ब्यूटी कॉन्टेस्टस हों या हाई प्रोफाइल विदेशी हस्तियों की यात्रा, ऐसे इवेंट्स को सफल बनाने में एक लिंग्विस्ट की बड़ी भूमिका होती है। लिंग्विस्ट यानी वह लैंग्वेज प्रोफेशनल, जिसकी एक से ज्यादा भाषाओं पर मजबूत पकड़ हो। अगर आपको भी नई भाषाएं सीखने और उनमें निपुणता हासिल करने में दिलचस्पी है, तो आप बन सकते हैं बेहतरीन लिंग्विस्ट।

लिंग्विस्ट के फील्ड में अवसरों की कमी नहीं

भाषा के क्षेत्र में करियर जितना अलग है, उतना ही रोचक भी। एक से ज्यादा भाषाओं की जानकारी आपको न सिर्फ दूसरे देशों और संस्कृति से जोड़ती है, बल्कि कई फील्ड्स में करियर के रास्ते भी खोलती है। आज भाषाओं के क्षेत्र में बेहतरीन प्रोफेशनल्स की काफी डिमांड है। हॉस्पिटल्स हों या बैंक्स, जांच एजेंसियां हों या पब्लिशिंग हाउसेज, हर उद्योग में लिंग्विस्ट के लिए काफी स्कोप है।

अगर आपको भी भाषाओं में दिलचस्पी है, तो आप लिंग्विस्टिक्स में बना सकते हैं शानदार करियर।

लिंग्विस्टिक्स भाषा की वैज्ञानिक स्टडी है। इसमें किसी भाषा विशेष की बनावट और उसके विकास के साथ-साथ दूसरी भाषाओं के साथ उसके संबंध के बारे में भी पढ़ाया जाता है। इसमें भाषा के हर पहलू को कवर किया जाता है। इस विषय के विद्यार्थी के पास भाषा की उत्पत्ति से लेकर उसके विकास तक की जानकारी होती है।

कौन-से कोर्स?

आप किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन करने के बाद लिंग्विस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन कर सकते हैं। हालांकि ज्यादा अच्छे रेम्युनरेशन के लिए इस फील्ड में उच्च शिक्षा प्राप्त करना ज्यादा फायदेमंद होगा। सरकारी सेवाओं में भी लिंग्विस्टिक्स में काफी मांग है।

लिंग्विस्टिक्स में पढ़ाई करने के बाद करियर ऑप्शन होते हैं

लिंग्विस्ट

आप भाषा की उत्पत्ति और विकास में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं और रिसर्च करके स्पीच रिकग्निशन में काम कर सकते हैं।

टीचर

आप किसी भी भाषा विशेष का अध्यापन कर सकते हैं। इस तरह के टीचरों की कई विश्वविद्यालयों में काफी मांग है।

ट्रांसलेटर

इस जॉब में आपको किताबों, दस्तावेजों और लेखों का दूसरी भाषा में अनुवाद करना होता है।

इंटरप्रिटर

इंटरप्रिटर के तौर पर बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स या सरकारी अधिकारियों के साथ दूसरे देशों की यात्राओं पर जाने का मौका मिलता है। यहां आप दो लोगों को संवाद करने में मदद करते हैं। यह बहुत ही टफ जॉब है क्योंकि आपको इस बात का ध्यान रखना होता है कि मूल वाक्य का अर्थ आपके इंटरप्रिटेशन में बदल न जाए। साथ ही, वाक्य बोले जाने के बाद आपको उसका अनुवाद सोचने के लिए न के बराबर समय मिलता है।

संभावनाएं

इस फील्ड में अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल्स में बतौर स्पीच थैरेपिस्ट, बैंक्स में बतौर लैंग्वेज इक्जुट ऑफिसर, पब्लिशिंग हाउसेज में बतौर ट्रांसलेटर और लेक्सिकोग्राफर, बीपीओ इंडस्ट्री, ट्रैवल एंड टूरिज्म इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री में वॉइस रिकग्निशन सॉफ्टवेयर डेवलपर, मिलिट्री, इंटेलिजेंस और फॉरेन सर्विसेज में काम करके बेहतरीन करियर बना सकते हैं।

अप्रेजल को लेकर हैं टेंशन, तो जरा इन बातों पर ध्यान दें

कार्तिक एक नामी कंपनी में पिछले कई वर्षों से काम कर रहे हैं। अपने इनोवेटिव अप्रोच और परिश्रम की वजह से आज वे एक सीनियर और जिम्मेदारी भरे पद पर हैं। किसी भी प्रोजेक्ट की प्लानिंग और उस पर अमल से लेकर फाइनल आउटपुट तक वे हर कदम पर अपनी टीम के साथ लगे रहते हैं। वे चाहते, तो सारे काम अपने अधीनस्थों को सौंपकर निश्चिंत हो सकते थे लेकिन बिना खुद काम किए उन्हें तसल्ली नहीं होती। ऐसा नहीं है कि उन्हें अपनी टीम पर भरोसा नहीं है या फिर उनकी टीम कमजोर है। इसके बावजूद हर काम पर बारीकी से नजर रखते हुए आगे बढ़ना उनकी आदत में शुमार है। यही कारण है कि उनके तमाम प्रोजेक्ट्स का आउटपुट प्रभावशाली होता है। हालांकि इसके लिए वे प्रशंसा की ज्यादा उम्मीद नहीं करते, क्योंकि उन्हें लगता है कि बेहतर आउटपुट से जो सुकून मिलता है, वही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

बाहर नहीं, भीतर देखें

आपके काम से ही आपकी पहचान होती है। कई बार आप सोचते होंगे कि मैं तो इस संस्थान में इतने वर्षों से काम कर रहा हूं, लेकिन मुझे न तो कभी अच्छा इंक्रीमेंट मिला और न ही उपयुक्त प्रमोशन। हो सकता है कि इस बात को लेकर आप दुखी और निराश भी हों। लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर गंभीरता से विचार किया कि आखिर क्यों दूसरों को बेहतर इंक्रीमेंट मिल जाता है और आपको नहीं? यदि नहीं किया, तो अब जरूर इस बात पर विचार करें। दूसरों को कोसने या उनसे ईर्ष्या करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। बेहतर यही होगा कि दूसरों की उपलब्धियों को देखकर दुखी या निराश होने के बजाए अपने भीतर देखें और अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करें।

ढूंढें सवालों के जवाब

अब तक के करियर में आपने कितनी बार किसी काम के लिए बॉस के सामने पहल की है या कोई इनोवेटिव आइडिया दिया है? क्या आप नई चुनौतियों को स्वीकार करने से बचते रहे हैं? क्या आप इसलिए बॉस के सामने पड़ने से कतराते हैं कि कहीं वे आपको कोई नया काम न सौंप दें? क्या आपने अपनी जिम्मेदारियों को बिना किसी गलती के, पूरी कुशलता के साथ डेडलाइन पर पूरा किया है? क्या आप पिछली गलतियों से सबक लेते हुए इस बात का ध्यान रखते हैं कि आगे उन्हें दोहराया न जाए? क्या आप किसी काम को करने में लंबा वक्त लेते हैं और डेडलाइन का पालन नहीं कर पाते? क्या आपके पास पेंडिंग कार्यों की लाइन लगी रहती है? क्या वाकई आपके ऊपर ज्यादा काम का बोझ है या फिर आप दूसरों को ऐसा दिखाते भर हैं? इन सब सवालों पर मंथन कर इनके उत्तर ईमानदारी से देना जरूरी है।

उत्साह भरी पहल

याद रखें, सिर्फ घड़ी देखकर मशीन की तरह काम में जुटे रहने से न तो पहचान मिलती है और न ही रिवॉर्ड। आज हमारे जीवन में टेक्नोलॉजी का दखल काफी बढ़ चुका है। इसकी वजह से स्मार्ट वर्क-स्टाइल को बढ़ावा मिल रहा है। ऐसे में हम पुरानी धीमी पद्धतियों और सोच से चिपके नहीं रह सकते, बल्कि हमें भी वक्त के साथ अपनी सोच और वर्क-स्टाइल में बदलाव लाने के लिए तत्पर रहना चाहिए। यह न सोचें कि अब नई टेक्निक कैसे सीखेंगे! आप चाहेंगे, तो अपने काम को स्मार्ट तरीके से करने की हर स्किल सीख सकते हैं। हां, इसके लिए उत्सुकता और उत्साह दोनों जरूरी हैं। अपने भीतर की काहिलियत को भगाएं और आगे बढ़कर पहल करें। उत्साहित रहकर काम करेंगे, तो खुश भी रहेंगे और इसका बेहतर परिणाम भी दिखेगा।

कर्म पर करें भरोसा

अगर आप स्मार्ट और इनोवेटिव तरीके से काम करेंगे, तो उसे जरूर सराहा जाएगा। अपने और अपने विभाग के कार्यों को सामने लाने का प्रयास करें, ताकि वह कहीं अनदेखा-अनजाना न रह जाए। सामने आने वाली नई चुनौतियों को भी आगे बढ़कर स्वीकार करें और उनमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करें। इसके लिए अपनी टीम के साथ मिलकर काम करें। न तो खुद हताश हों और न ही कभी टीम को हताश होने दें।

न हों निराश

क्या आपको लगता है कि आपने तो हर तरह से बेहतर काम करने और अच्छा परिणाम देने का प्रयास किया, फिर भी उम्मीद के मुताबिक न तो प्रमोशन मिला और न इंक्रीमेंट? यदि हां, तो जरा सोचें कि क्या पहले भी आपके साथ ऐसा हुआ है? अगर पहले उम्मीद के मुताबिक या उम्मीद से ज्यादा मिलता रहा है और सिर्फ इसी बार ऐसा नहीं हुआ, तो फिर आपका निराश या हताश होना उचित नहीं है। खुद को समझाएं और जितनी जल्दी हो सके, अपने आप को व अपने काम को पहले की तरह पटरी पर ले आएं। अगर आप प्रतिक्रिया में काम को लेकर लापरवाही करेंगे या अपने व्यवहार में बेरुखी दिखाएंगे, तो संभव है कि इससे गलत संदेश निकले और आपकी छवि खराब हो। अपना उत्साह और काम के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, तो आगे निश्चित ही सकारात्मक परिणाम दिखाई देगा।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची., (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेंद्र कुमार सिंह, संपादक : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव", "पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कारवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 website : www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

नेशनल लोक अदालत में तीन लाख 70 हजार 521 विवादों का हुआ निपटारा

एक अरब 81 करोड़.36 लाख 68 हजार 605 रूपए की रिकवरी

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : नालसा के निर्देश पर वर्ष 25 के अंतिम नेशनल लोक अदालत का शनिवार को दुमका से ऑनलाइन उद्घाटन झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश त्रलोक सिंह चौहान ने किया इस मौके पर दुमका में झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यकारी अध्यक्ष सह झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश आनंदा सेन, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे। वहीं धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन बालकृष्ण तिवारी ने इस मौके पर धनबाद मे आयोजित समारोह में मौके पर लाभुकों को मुआवजा का चेक प्रदान किया। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कहा कि नेशनल लोक अदालत संविधान के परिकल्पना को पूरी करने के दिशा में एक कदम है ,नवम्बर 2013 से पूरे देश में नेशनल लोक अदालत का आयोजन हर तीन माह मे किया जा रहा है। लोक अदालत में महीनों कोर्ट का चक्कर लगाने और पैसे की बर्बादी से बचा जा सकता है लोगों मे प्रेम ,शाति ,समृद्धि और समरसता बनी रहे यही इस लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य है । उन्होंने बताया कि विवादों एवं मुकदमो के निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 12 बेंच का गठन किया गया था है जिनके द्वारा विभिन्न तरह के सुलहनीय विवादों का निपटारा किया गया। मौके पर सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले जमाल अख्तर की विधवा निखत परवीन को एक करोड़ पचीस लाख रुपये का चेक एचडीएफसी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा प्रदान किया गया। चेक मिलने पर निखत ने बताया कि उनके पति जैप के जवान थे। सड़क दुर्घटना में वर्ष 2023 में उनकी मौत हो गई थी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने अधिवक्ता मोहम्मद काजी सिराज अहमद, व इंश्योरेंस कंपनी के अधिवक्ता रिशिका सनयाल के प्रयास से आज उन्हें रकम दिलाया जिससे आज वह बहुत खुश हैं।अब उनके बाल बच्चों का परवरिश अच्छे से हो पाएगा।

नेशनल लोक अदालत में कुल 36 लाख 70 हजार 521 विवादों का निपटारा कर रेकॉर्ड एक अरब 81 करोड़. 36 लाख 68 हजार 605 रूपए की रिकवरी की गई। जिसमें 38 हजार 873 ऐसे मुकदमे थे जो विभिन्न अदालतों में लंबित थे। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पदाधिकारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं का सहयोग के लिए आभार प्रकट किया।

मौजूद थे न्यायाधिश

न्यायिक पदाधिकारियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय श्री सुभाष,जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष।, दुर्गेश चंद्र अवस्थी, श्री बीकेश, कमलेश कुमार शुक्ला, विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रफुल्ल कुमार, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला ,अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी पार्थ सारथी घोष ,अवर न्यायाधीश प्रदीप कुमार ,राजीव कुमार सिंह , शमा रोशनी कुलू, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडेय, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी आई जेड खान,पीएलए चेयरमैन पीयूष कुमार ,सर्टिफिकेट ऑफिसर रवींद्रनाथ ठाकुर, कंज्यूमर फोरम की सदस्य श्रीप्रा, एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक सुमन पाठक, मुस्कान चोपड़ा, स्वाति कुमारी ,डालसा के पैनल अधिवक्ता, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार, सौमित मंडल ,सिविल कोर्ट के सुदीप कुमार श्रीवास्तव, काली प्रसाद मुखर्जी, अनूप सहाय, कुमार अरविंद, सतीश कुमार शमशेर आलम, अमित तिर्की, सिस्टम ऑफिसर अजय यादव ,साकिब अहमद, सूरज रजक, अधिकार मित्र राजेश सिंह, हेमराज चौहान, डिपेंटी गुप्ता , नवीन कुमार , समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

बीएसएल में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने तथा "सुरक्षा सर्वप्रथम" की मूल भावना को कार्यस्थल की संस्कृति में प्रभावी रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में संयंत्र के विभिन्न विभागों से कुल 89 अधिकारी, कर्मचारी तथा संविदा कर्मियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग के सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक विनीत तिर्की उपस्थित थे।

सत्र की शुरुआत में सुरक्षा विभाग के सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला एवं सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक विनीत तिर्की ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से स्टील प्लांट में गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया एवं सभी प्रतिभागियों को गैस सुरक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

निःशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन

बोकारो : जनसामान्य एवं समाज के कमजोर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण नेत्र सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोटरी क्लब चास द्वारा दिनांक 16 दिसंबर को रोटरी भवन, चीरा चास में प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निशुल्क मोतियाबिंद जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में योग्य नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा मोतियाबिंद की जाँच, परामर्श तथा आवश्यकता अनुसार निशुल्क ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर में आने वाले सभी मरीजों की जाँच की जाएगी। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों को उसी दिन चंदनक्यारी स्थित ममता मूर्ति नेत्रालय में आने-जाने की व्यवस्था, दवाइयाँ तथा आवश्यक परीक्षण पूर्णतः निशुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी। कार्यक्रम के संयोजक मुकेश अग्रवाल ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद मरीजों को नेत्र रोगों से राहत प्रदान करना तथा अंधत्व रोकथाम के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना है। रोटरी क्लब चास, समस्त नागरिकों से अपील करता है कि वे इस निशुल्क शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएँ तथा अपने परिजनों और आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दें। लाभुक अपने साथ एक आईडी जरूर रखें।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन, कुल-1818 वादों का निष्पादन

बोकारो : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली तथा झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, राँची के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो अनिल कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन न्याय सदन, बोकारो में किया गया। राज्य के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों (DLSAs) की राष्ट्रीय लोक अदालत का आभासी (Virtual) उद्घाटन मुख्य न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा किया गया। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (JHALSA) तथा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीशगण एवं झालसा के सदस्यगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंकिग चेक बाउंस, बिजली, पारिवारिकि, दीवानी, श्रम, उत्पाद, वन विभाग, मोटरयान के अलावा सभी आपराधिक सुलहनीय मामलों को चिन्हित कर उसके निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय बोकारो में सात (07) एवं अनुमंडल न्यायालय तेनुघाट में तीन (03) बेंचो का गठन किया गया था। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल - 1820 वादों को निष्पादन हेतु रखा गया जिसमें से कुल-1818 वादों का निष्पादन हुआ जिसमें कुल समझौता राशि- 6,90,51,762/- (छः करोड़ नब्बे लाख इक्कावन हजार सात सौ बासठ रूपये) हुई। उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो के सचिव अनुज कुमार ने दी।

कतरास में डेकोरेटर्स एसोसिएशन के शाखा सचिव के निधन पर शोक सभा

कतरास(धनबाद) : धनबाद जिला विद्युत साउंड एंड डीजे डेकोरेटर्स संघ द्वारा शनिवार को डेकोरेटर्स एसोसिएशन कतरास शाखा के सचिव संदीप साव के निधन पर श्यामडीह स्थित रिवाज मैरिज हॉल में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की स्व संदीप साव एक नेक इंसान थे। समाज के सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे .मौके पर कतरास शाखा के अध्यक्ष मंतोष कुमार, सचिव हरेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष सूरज गोस्वामी, सह कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, महादेव मंडल, विशाल वर्मा, तमन्ना दीवान, अमित अग्रवाल, अशोक कुमार, दीपक कुमार, हनीफ अंसारी सलाहकार आशीष दे के अलावे धनबाद जिला के 17 शाखाओं के सभी पदाधिकारी ने भाग लिया।

केंदुआडीह गैस रिसाव के विरोध में मशाल जुलूस

पुटकी : केंदुआडीह में लगातार हो रहे गैस रिसाव को लेकर शनिवार शाम कोयलांचल बचाव संघर्ष समिति के बैनर तले ग्रामीणों ने मशाल जुलूस निकाला। जुलूस केंदुआडीह थाना से शुरू होकर गोधर मोड़, केंदुआ बाजार, करकेंद बाजार होते हुए शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस दौरान बीसीसीएल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अवैज्ञानिक खनन के कारण पिछले 11 दिनों से कई इलाकों में जहरीली गैस फैल रही है, जिससे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है। दो महिलाओं की मौत और दर्जनों लोगों के बीमार होने का भी दावा किया गया।

बैंक ऑफ़ इंडिया एम्प्लाइज यूनियन झारखण्ड स्टेट की आम सभा आयोजित

स्वदेश संवाददाता

धनबादः शनिवार को बैंक ऑफ़ इंडिया एम्प्लाइज यूनियन झारखण्ड स्टेट धनबाद इकाई की आम सभा सामुदायिक भवन कोयला नगर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता एस. के.अदक (अध्यक्ष) ने की।

इस सभा में अखिल भारतीय महासचिव फेडरेशन ऑफ़ बैंक ऑफ़ इंडिया स्टाफ यूनियन एवं बैंक ऑफ़ इंडिया एम्पलाइज यूनियन झारखंड स्टेट के महासचिव कॉमरेड दिनेश झा ललन मुख्य वक्ता थे। साथ ही साथ संगठन के अनेक वरिष्ठ नेता भी उपस्थित थे। महासचिव ने विस्तृत रूप से आज की वर्तमान बैंकिंग व्यवस्था एवं बैंक ऑफ़ इंडिया की वर्तमान स्थिति की विस्तृत चर्चा की। जिसमे मुख्य रूप से सभी संवर्ग में समुचित बहाली, बैंक मर्जर का विरोध, चार श्रम संहिताओं का पुरजोर विरोध तथा संगठन के द्विपक्षीय समझोतों का प्रबंधन द्वारा उलंघन जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। लंबित एवं जायज मांगों का प्रबंधन द्वारा लागू नहीं की जाने के विरोध में 27 जनवरी 2026 को धरना कार्यक्रम प्रधान कार्यालय मुंबई में प्रस्तावित है। इस आम सभा में धनबाद एवं संथाल परगना सहित युवा, महिला एवं अन्य कॉमरेड ने हिस्सा लिया। प्राइवेट बैंक की लंबित मांगो पर भी चर्चा हुई। सभा में कॉमरेड नन्द कुमार महाराज, उमेश दास, कॉमरेड एस एन दास, कॉमरेड प्रदीप झा, कामरेड राकेश मिश्रा, कॉमरेड तारक बनर्जी एवं राकेश कुमार ने भी सभा को संबोधित किया।

सभा में मुख्य रूप से 10 कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया गया। सभा को सफल बनाने में कॉ.अमित चंद्रवंशी,कॉ.केदार सिंह, कॉ. राहुल देव, कॉ. सुमित कुमार, कॉ. मनोज यादव, कॉ. शंकर दास, कॉ. वासुदेव, कॉ. नौशाद,कॉ. विनोद कुमार आदि सहित अन्य महिला साथियों का सक्रिय सहयोग रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन राकेश कुमार ने किया।

डीसी-डीडीसी ने जागरूकता वैन को किया रवाना, गोदामों का भी किया निरीक्षण

स्वदेश संवाददाता

बोकारो : शनिवार को समाहरणालय परिसर से उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, डीएसओ शालिनी खालखो, डीपीआरओ रवि कुमार आदि ने तीन जागरूकता वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये जागरूकता वैन जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण करेंगी और किसानों को धान क्रय से संबंधित प्रक्रिया, समर्थन मूल्य, क्रय केंद्रों की जानकारी तथा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी देंगे।

किसानों को जागरूक करने का अभियान तेज : मौके पर उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता वैन के माध्यम से किसानों तक सही और प्रामाणिक जानकारी पहुंचाई जाएगी, ताकि वे किसी भी प्रकार के भ्रम या बिचौलियों के झांसे में न आएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रचार-प्रसार के दौरान किसानों को धान की गुणवत्ता, पंजीकरण प्रक्रिया एवं भुगतान प्रणाली के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जाए। साथ ही उपायुक्त ने बाजार समिति, चास परिसर स्थित 1000 - 1000 मैट्रिक टन क्षमता वाले बीएस सिटी, चास-वन एवं चास-टू गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चावल, गेहूं, चीनी एवं नमक के भंडारण की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

उपायुक्त ने आगामी धान क्रय के बाद भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से आवंटित चावल के रख-रखाव हेतु निर्धारित भंडारण स्थल का भी जायजा लिया। उन्होंने गोदामों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं भंडारण मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के डीएसओ को निर्देश दिए।

सड़क और पुराने गोदाम की मरम्मति का दिया निर्देश

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने गोदाम तक पहुंचने वाली सड़क एवं पुराने गोदाम की जर्जर स्थिति पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को शीघ्र मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धान क्रय एवं भंडारण कार्य में किसी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त की जाएं। संबंधित विपणन पदाधिकारी को खाली पड़ें स्थानों पर अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण, जर्जर दुकानों की मरम्मति - बाजार समिति की आय बढ़ोतरी के दिशा में किए जाने वाले कार्यों से संबंधित प्रस्ताव तैयार कर जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया।

सांसद ढुलू महतो ने केंद्रीय इस्पात मंत्री से की मुलाकात

बोकारो स्टील लिमिटेड एवं औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सौंपा ज्ञापन

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : लोकसभा क्षेत्र के सांसद ढुलू महतो ने नई दिल्ली में केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से शिष्टाचार मुलाकात कर बोकारो स्टील लिमिटेड (BSL) एवं उससे जुड़े औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित अनेक गंभीर एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए एक समेकित ज्ञापन सौंपा। मुलाकात के दौरान सांसद महतो ने बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता के विस्तार, स्पेशल ग्रेड स्टील आधारित उद्योगों की स्थापना तथा अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़ी लंबित परियोजनाओं की प्रगति का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

सांसद ढुलू महतो ने बैठक में नए सेंटर प्लांट में हो रही अनावश्यक देरी, बोकारो स्टील में किए गए उपकरणों की अनावश्यक खरीद की जांच तथा मैनपॉवर कटौती के निर्णय पर पुनर्विचार की आवश्यकता पर भी माननीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णयों का सीधा प्रभाव उत्पादन, रोजगार और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास पर पड़ रहा है, जिस पर केंद्र सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

मुलाकात के दौरान सांसद महतो ने बीएसएल के स्थायी कर्मचारियों के लंबित वेज एरियर, ठेका मजदूरों की वेतन कटौती, चिकित्सा सुविधाओं की स्थिति एवं सेवा सुरक्षा जैसे श्रमिक हितों से जुड़े विषयों को भी प्रमुखता से रखा। इसके साथ ही बोकारो स्टील प्लांट से प्रभावित विस्थापित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार, आधारभूत सुविधाओं तथा उनके न्यायोचित अधिकारों से संबंधित मांगों को लेकर केंद्र सरकार से ठोस पहल की आवश्यकता पर बल दिया।

सांसद ढुलू महतो ने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार बोकारो स्टील प्लांट एवं उससे जुड़े औद्योगिक क्षेत्र के महत्व को ध्यान में रखते हुए इन सभी जनहित और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेगी तथा श्रमिकों, विस्थापितों और स्थानीय समाज के हित में ठोस कदम उठाएगी।

जयकारों से गूंजा सरायढेला 'हर के आंगन में हरि कथा' का भव्य शुभारंभ

स्वदेश संवाददाता

धनबादः शहर के सरायढेला, स्टीलगेट स्थित दुर्गा मंदिर एवं शिव मंदिर प्रांगण में शनिवार से सात दिवसीय भव्य धार्मिक अनुष्ठान 'हर के आँगन में हरि कथा' का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर शनिवार को एक विशाल और भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

कलश यात्रा की शुरुआत न्यू बैंक कॉलोनी से हुई। गाजे-बाजे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर निकली इस यात्रा में राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं सिर पर कलश धारण कर शामिल हुईं। जय श्री राम और जय राधा-कृष्ण के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालु महिलाएं कतारबद्ध होकर तालाब पहुंचीं, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा गया। इसके बाद यह यात्रा नगर भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल (मंदिर प्रांगण) पर संपन्न हुई, जहाँ कलश स्थापना के साथ कथा का शुभारंभ हुआ।

आयोजन समिति हित नयन कुमार मिश्र ने बताया कि यह धार्मिक अनुष्ठान 13 दिसंबर से 19 दिसंबर 2025 तक चलेगा। कथा का समय प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान वृंदावन से पधारे सुप्रसिद्ध कथा व्यास पूज्य श्री हित ललितवल्लभ नागार्च जी अपने मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और हरि कथा का अमृतपान कराएंगे।

बंगिया संगीत परिषद का 48वां वार्षिक दीक्षांत समारोह संपन्न

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : बंगिया संगीत परिषद का वार्षिक दिक्षांत समारोह शनिवार को धनबाद क्लब में बांगिया संगीत परिषद के झारखंड प्रतिनिधि जाने माने चित्रकार शिवशंकर धर के नेतृत्व में बहुत ही सुसंस्कृत माहौल में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि कर्नल जे. के. सिंह, क्रेडो पब्लिक स्कूल की प्राचार्य शर्मिला सिन्हा, धनबाद क्लब के सचिव अतुल डोकनिया एवं अनिता अग्रवाल निशब्द बंगाली वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष गोपाल भट्टाचार्य के द्वारा कलाकारों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कोलकाता से बंगिया संगीत परिषद के प्रतिनिधी श्यामल गांगुली ने धनबाद आ कर छात्रों को चित्रकारिता की बारीकियां को मार्गदर्शित कर इस कार्यक्रम को संपन्न किया। सभी अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि कर्नल जे. के. सिंह ने सफल छात्रों का अभिनंदन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयास के बाद आप यहां पहुंच पाएं हैं। उन्होंने इस मेहनत को समस्त जीवन के हर पड़ाव में जारी रखने का संदेश दिया है। उन्होंने छात्रों को विभिन्न साहसिक उदाहरण देते हुए सफल एवं उज्जवल भविष्य की बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। दीक्षांत समारोह कार्यक्रम की शुरूआत थे प्रज्वलित कर किया गया इसके उपरांत समृद्धि चौधरी उर्फ छोटन के निर्देशन में विद्यार्थियों ने बहुत ही प्रशंसनीय सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया एवं बरनाली मुखर्जी, जोयीता धर व राजदीप चटर्जी ने एक रबीन्द्र संगीत की प्रस्तुती दी। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सोहिनी धर और बरनाली मुखर्जी ने किया। ।इसके साथ ही करीब 150 विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट चित्रकला के लिए उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह को सफल बनाने में कल्पना मल्लिक, शिव शंकर धर, अंजन आचार्य, नीलांशु भट्टाचार्य नूपुर गांगुली की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

मुख्यमंत्री ने केन्दुआडीह गैस रिसाव मामले की जांच के लिए मुख्य सचिव के साथ भेजी उच्चस्तरीय टीम

लोगों की समस्या का निदान सरकार की प्राथमिकता : मुख्य सचिव

स्वदेश संवाददाता

धनबाद : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंदुआडीह क्षेत्र में गैस रिसाव की घटना को लेकर शनिवार को एक उच्च स्तरीय टीम को धनबाद भेजा। टीम का नेतृत्व झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार कर रहे थे। उनके साथ डीजीपी तदाशा मिश्रा, गृह सचिव वंदना दादेल, खान सचिव अरवा राजकमल, राजस्व सचिव चंद्र शेखर भी धनबाद पहुंचे।

टीम ने धनबाद के विधायक राज सिन्हा, उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार तथा अन्य प्रशासनिक पदाधिकारी, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के सीएमडी श्री मनोज कुमार अग्रवाल और तकनीकी अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया। टीम ने गैस रिसाव से प्रभावित क्षेत्र का आकलन किया। तकनीकी अधिकारियों के साथ गैस रिसाव को रोकने की दिशा में उठाए गए कदम, गैस की वर्तमान मात्रा तथा लोगों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत चर्चा की।

इसके बाद टीम जिला प्रशासन एवं भारत कोकिंग कोल लिमिटेड द्वारा बनाई गए राहत शिविर पहुंची। जहां उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्य सचिव ने कहा कि गैस रिसाव की घटना प्राकृतिक कारणों से हो सकती है। इस पर पूर्ण नियंत्रण करने का प्रयास जारी है। हालांकि अब तक हुई तकनीकी प्रगति और उपलब्ध वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर सभी पहलुओं का गहन अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं और परिस्थितियों से भली-भांति परिचित हैं। इसलिए किसी भी समाधान में उनकी भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार वर्तमान स्थिति का आकलन कर रही है। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने तथा गैस रिसाव का स्थायी समाधान निकालने के लिए गहन अध्ययन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा इसके लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, बीसीसीएल प्रबंधन और स्थानीय लोगों के बीच समन्वय और संवाद से समाधान निकालना अधिक प्रभावी होगा। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि प्रशासन की पूरी मशीनरी इस संकट से निपटने में जुटी हुई है।

उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि केंदुआडीह में उत्पन्न स्थिति को लेकर राज्य और केंद्र, दोनों सरकारें चिंतित हैं। प्रभावित और संभावित रूप से प्रभावित लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन ऐसे विकल्पों पर विचार कर रहा है जिससे लोगों को न्यूनतम कठिनाई हो।

इसके के बाद सभी बेलगड़िया टाउनशिप पहुंचे। वहां फेज 5 में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार (जे.आर.डी.ए.) के नवनिर्मित एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक तथा शिकायत निवारण केन्द्र का निरीक्षण किया।

मुख्य सचिव ने बेलगड़िया के निवासियों के साथ सीधा संवाद किया। उनकी बातों को सुना। लोगों द्वारा बताई गई कुछ समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का आश्वासन दिया। बेलगड़िया से टीम बरवाअड्डा हवाई पट्टी पहुंची और हेलीकॉप्टर से रांची के लिए प्रस्थान किया। वहीं टीम के बरवाअड्डा हवाई पट्टी आगमन पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने मुख्य सचिव, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने डीजीपी, उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने गृह सचिव, अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने राजस्व सचिव को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत किया। वहीं धनबाद से रांची के लिए प्रस्थान के दौरान भी मुख्य सचिव को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मौके पर ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीबी राजीव रंजन, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, डीएमओ रितेश राज तिग्गा, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार सिंह, एसडीपीओ सिन्दरी आशुतोष सत्यम के अलावा अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

....आखिर क्यों जरीन ने ठुकरा दिया सलमान खान का शो 'बिग बॉस'

अभिनेता सलमान खान के साथ बॉलीवुड में करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान ने हाल ही में बिग बॉस शो को लेकर अपनी राय दी है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने इस शो में शामिल होने के ऑफर को ठुकरा दिया था। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस जरीन खान ने क्या बताया।

'बिग बॉस' को लेकर जरीन खान की क्या है राय?

अभिनेत्री जरीन खान हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं। यहां उन्होंने बिग बॉस के बारे में कहा, 'मुझे यह शो बहुत पसंद है। बीच में मैंने शायद सिर्फ दो-तीन सीजन ही मिस किए हों, लेकिन मैं इसे देखती हूं।' आगे उन्होंने शो को ठुकराने को लेकर बताया, 'सबसे पहले तो मेरे ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं खुद को तीन महीने के लिए कहीं अलग करके रहने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मुझे नहीं लगता कि मेरा घर मेरे बिना चल पाएगा, मैं आर्थिक रूप से बात नहीं कर रही हूं। मुझे 10 हजार चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर मैं एक दिन के लिए भी बाहर जाती हूं, तो मैं अपनी मां को पांच-सात बार फोन करके उनकी सेहत और दूसरी चीजों के बारे में पूछती हूं। तो, यही सबसे पहला फैक्टर है।'

मेरा हाथ उठ जाएगा

आगे बातचीत के दौरान जरीन खान ने कहा, 'दूसरी बात, मुझे नहीं लगता कि मैं इतने सारे लोगों के साथ एक घर में रह सकती हूं जिन्हें मैं नहीं जानती। मैं दोस्त बनाने में समय नहीं लगाती, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी सहज रहूंगी। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह है कि बेकार बात मुझे बर्दाश्त नहीं होती। मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी। मेरा हाथ उठ जाएगा, फिर मुझे बाहर ही फेंक देंगे। इसलिए, बेहतर है कि मैं न जाऊं। मैं जानती हूं कि मेरा हाथ उठ जाएगा।'

एक नजर जरीन खान के करियर पर

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था वीर, जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आई थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही, अब पहले जैसा दबाव नहीं

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं। दंगल अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है। अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही। फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, बिल्कुल। उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंचीं, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा। उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। करियर की बात करें तो, फातिमा हाल ही में आर माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी के निर्देशन से सजी यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

टाइगर श्रॉफ ने बागी 4 को लेकर दी अहम जानकारी

टाइगर श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बागी 4 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। आज टाइगर ने फिल्म बागी 4 को लेकर एक अहम जानकारी सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। टाइगर श्रॉफ ने अपना बेहद ही खूंखार लुक शेयर किया और कैप्शन में लिखा, प्रिय आर्मी, आप सभी को इंतजार कराने के लिए मुझे बहुत अफसोस है। मैं हर रोज आपके संदेश और पोस्ट देख रहा हूं, और यकीन मानिए, मैं इसे जल्द से जल्द आपके साथ साझा करने के लिए बहुत उत्सुक हूं! मैं वादा करता हूं कि यह इंतजार के लायक है! मैं आपको जल्द ही पहले प्रोमो पर एक आधिकारिक अपडेट दूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद। लगभग समय आ गया है। टाइगर की इस पोस्ट पर आयशा श्रॉफ ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं एक्ट्रेस शमा आकाशदीप सायगल ने फायर और स्माइली इमोजी बनाए हैं। विजय ठक्कर ने लिखा, बड़ी घोषणा का इंतजार नहीं कर सकता। सेलेब्स के अलावा कई फैंस ने भी टाइगर की इस पोस्ट पर जमकर कमेंट किए हैं।

सेल्फकेयर सिर्फ ग्लैमर नहीं, एक तरह का अनुशासन है

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत अपनी फिल्मों और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह पॉजिटिव सोच और हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए भी चर्चाओं में बनी रहती हैं। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए योग के महत्व पर प्रकाश डाला। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके बताया कि कैसे योग उन्हें भावनात्मक, मानसिक और शारीरिक रूप से संतुलित रखने में मदद करता है। उन्होंने सेल्फ-केयर का सही मतलब भी समझाया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, यह एक तरह का अनुशासन है, जिसमें थोड़ी सी सहजता भी शामिल है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह हेडस्टैंड करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हम अक्सर सेल्फ-लव और सेल्फ-केयर जैसे शब्द सुनते हैं, लेकिन इनका असली मतलब क्या है? सेल्फ-केयर हमेशा ग्लैमरस नहीं होता, बल्कि यह एक तरह का अनुशासन है।

आखिर क्यों धड़क 2 का हिस्सा बनना चाहते थे सिद्धांत चतुर्वेदी? एक्टर ने किया खुलासा

अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने बताया कि यह जानने के बाद भी कि धड़क2 की तुलना धड़क से की जाएगी उन्होंने फिल्म में काम करने का फैसला लिया। एक्टर ने ऐसा क्यों किया इसकी खास वजह भी बताई है! सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा, मुझे इस फिल्म पर गर्व है। जैसे ही मैंने इसकी कहानी सुनी, मुझे तुरंत एहसास हुआ कि मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहिए। मुझे ज्यादा सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ी, ये कहानी मेरे लिए बहुत मायने रखती है, और जब हमने इस पर काम शुरू किया, तो सब कुछ बहुत अच्छे से और आसानी से होता चला गया। यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है, और मुझे लगता है कि यह कहानी लोगों तक पहुंचनी चाहिए। सिद्धांत ने फिल्म की डायरेक्टर और टीम के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हमारी डायरेक्टर शाजिया इकबाल कमाल की इंसान हैं। पूरी कास्ट और टीम शानदार है। ये अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। मुझे सच में लगता है कि जब ये फिल्म रिलीज होगी, तो दर्शक भी इसको वैसे ही जुड़ाव महसूस करेंगे जैसे मैंने किया। तृप्ति डिमरी के साथ ऑफ-स्क्रीन बॉन्ड के बारे में सिद्धांत ने कहा, हमने बहुत मजे किए। हम अच्छे दोस्त हैं और एक-दूसरे से बिना झिझक कुछ भी कह देते हैं। ये रवैया ही पर्दे पर हमें ईमानदारी से किरदार निभाने की सहूलियत देता है। कई बार तो ऐसा लगा जैसे मैं उसका स्कूल में चिढ़ाने वाला कोई पुराना दोस्त हूं! उन्होंने आगे कहा, जब कैमरा चालू होता था, हम पूरी तरह अपने किरदार में आ जाते थे। हमारी डायरेक्टर हमें जमीन से जोड़े रखती थीं। हम मस्ती तो करते थे, लेकिन हमें पता था कि कब सीरियस होना है, क्योंकि फिल्म की कहानी संवेदनाओं से भरी हुई और गंभीर है। जब मुझे कोई इमोशनल सीन करना होता था, तो डायरेक्टर माहौल को हल्का बना देती थीं। इस तरह हम सभी चीजों को बैलेंस करते हुए आगे बढ़े।

शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं कुशा कपिला

इंटरनेट सेंसेशन कुशा कपिला अपनी नई शॉर्ट फिल्म व्यर्थ के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और इसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह प्रोजेक्ट उनके अभिनय करियर में एक महत्वपूर्ण कदम है और साथ ही उन्होंने इसमें को-प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभाई है। कॉमेडी की दुनिया से पहचान बना चुकीं कुशा इस बार एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। व्यर्थ उनके लिए एक भावनात्मक और रचनात्मक स्तर पर एक नई दिशा है, जो उन्हें एक सशक्त कहानी कहने का अवसर देता है। व्यर्थ की कहानी भूमि नाम की एक एक्ट्रेस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बार-बार टाइपकास्ट की जा रही है। जब उसे मां की भूमिका का प्रस्ताव मिलता है, तो उसकी उम्मीदें टूट जाती हैं। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब उसकी यंग एक्ट्रेस मीनाक्षी उसी रोल के लिए उसकी मदद मांगती है। ट्रेलर में इस कहानी की जटिलता, महत्वाकांक्षा और संघर्ष की झलक मिलती है, जिसमें ट्रैजिक एलिमेंट्स के साथ-साथ ह्यूमर भी है। कुशा कहती हैं, जब मुझे व्यर्थ की स्क्रिप्ट मिली, जो कि सिर्फ 17 पन्नों की थी, तो मुझे उसी समय महसूस हुआ कि यह कहानी मेरे भीतर गहराई से गूंज रही है। यह सिर्फ एक किरदार नहीं था, जिसे मैं निभाना चाहती थी, बल्कि एक कहानी थी, जिसे मुझे जरूर दुनिया के सामने लाना था। इसकी थीम में कुछ बेहद सार्वभौमिक है और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक खुद को या अपने किसी करीबी को इसमें जरूर पहचानेंगे। व्यर्थ इंडस्ट्री के कई पहलुओं को छूती है। यह फिल्म इंडिपेंडेंट फिल्ममेकर्स की जद्दोजहद, कास्टिंग डायरेक्टर्स का संघर्ष और उन एक्टर्स की सच्चाई को बखूबी पेश करती है, जो बार-बार कोशिश करने के बावजूद नाकाम हो जाते हैं।

पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए की 25 सदस्यीय टीम की घोषणा

मोहाली : पंजाब एफसी ने 134वें डूरंड कप के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट देश के विभिन्न शहरों में खेला जा रहा है। पंजाब एफसी को ग्रुप 'डी' में रखा गया है और टीम अपने सभी ग्रुप मैच असम के कोकराझार स्थित एसएआई स्टेडियम में खेलेगी। टीम के मुख्य कोच पनागियोटिस डिल्मपेरिस ने एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह भारतीय खिलाड़ियों से बनी युवा टीम का चयन किया है। टीम की घोषणा पर मुख्य कोच डिल्मपेरिस ने कहा, ह्लहमने एक युवा और ऊजार्वान टीम का चयन किया है, जिसमें अधिकांश खिलाड़ी पिछले सीजन से बनाए रखे गए हैं। इसके अलावा हमने कई अकादमी खिलाड़ियों को भी टीम में शामिल किया है, जिन्होंने रिजर्व और जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मेरा मानना है कि हमारे पास एक संतुलित टीम है जो टूर्नामेंट में आगे तक जाने की क्षमता रखती है और हम नए सीजन की सकारात्मक शुरूआत की उम्मीद कर रहे हैं। टीम में मुहम्मद उवैस और बिजॉय वर्गीज जैसे नए साइनिंग्स के साथ राकेश मैतेई भी शामिल हैं, जिनका लोन पीरियड केरला ब्लास्टर्स से एक और सीजन के लिए बढ़ाया गया है। रंजीत पांडे भी टीम में लौटे हैं, जो पिछला सीजन गोकुलम केरल एफसी (आई-लीग) में लोन पर बिताकर आए हैं। डिल्मपेरिस ने कुल 11 अकादमी खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है, जिनमें आयुष देशवाल, परमवीर सिंह, मैंगलेंथांग किपगेन, सिंगामायुम शामी, मुहम्मद सुहैल, ओमांग डोडुम, विशाल यादव और लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई शामिल हैं। ये सभी पिछले सीजन में पदार्पण कर चुके हैं। पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलिआतिस ने कहा, ह्लइतने अधिक अकादमी खिलाड़ियों को शामिल करना हमारे उस विजन का हिस्सा है, जिसमें हम क्लब के साथ आगे बढ़ने वाले युवाओं की एक मजबूत नींव बनाना चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि यह टीम पिछले सीजन से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है और मैं सभी खिलाड़ियों को सीजन की शानदार शुरूआत के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

पंजाब एफसी की टीम:

गोलकीपरः आयुष देशवाल, मुहीत शब्बीर, रविकुमार

डिफेंडरः बिजॉय वर्गीज, खैमिंगथांग लुंगदिम, मानव सिंह, मुहम्मद उवैस, नोंगमैकपम सुरेश मैतेई, परमवीर सिंह, लिकमाबाम राकेश मैतेई, उशम थौंगम्बा सिंह

मिडफील्डरः लियोन ऑगस्टीन, मैंगलेंथांग किपगेन, निखिल प्रभु, प्रिंसटन रेबेलो, रिक्की शाबोंग, लाइश्राम ऋषिकांत मैतेई, सिंगामायुम शामी, विनीत राय

फॉरवर्डः मुहम्मद सुहैल एफ, निन्थोइंगानबा मितेई, ओमांग डोडुम, कोंसम सनातोई सिंह, विशाल यादव, रंजीत सिंह पांडे

पंजाब एफसी अपना डूरंड कप अभियान 3 अगस्त को कार्बी अंग्लोंग मॉर्निंग स्टार एफसी के खिलाफ शुरू करेगा। इसके बाद टीम 6 अगस्त को इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस एफटी और 9 अगस्त को बोडोलैंड एफसी के खिलाफ मुकाबले खेलेगी।

रायगढ़ स्टेडियम में अस्मिता सिटी लीग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रायगढ़ : संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिले में संचालित खेलों इंडिया लघु केन्द्र रायगढ़ स्टेडियम बोईरदादर रायगढ़ में आज अस्मिता सिटी लीग का आयोजन किया गया। खेलो इंडिया योजना के तहत अस्मिता सिटी लीग की शुरूआत की गई है। इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रेरित करना और उभरती हुई प्रतिभाओं को बढ़ावा देना है। अस्मिता सिटी लीग में खेलो इंडिया लघु केन्द्र (बैडमिंटन) रायगढ़ के बालिका खिलाड़ी एवं विभिन्न स्कूलों के बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उक्त सिटी लीग में बैडमिंटन के डबल्स प्रतियोगिता में रिंकी पटेल तथा काशिका ने प्रथम स्थान एवं सिमरन तथा अनुष्का ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता में रिंकी पटेल ने प्रथम स्थान तथा सिमरन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती श्रेयम चन्द्रा व्यायाम शिक्षक शा.कन्या.उ.मा.विद्या रायगढ़, जितेश्वर प्रधान व्यायाम शिक्षक, दिलीप सिंह वरिष्ठ प्रशिक्षक एवं धरणीधर यादव व्यायाम शिक्षक शा.उ.मा.वि. चक्रधर नगर स्कूल रायगढ़ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

युद्ध के बाद अब गाजा में तूफान ने मचाई तबाही, ठंड से मर रहे बच्चे, बाढ़ ने छीन लिया आशियाना

गाजा, एजेंसी। युद्ध की भयंकर विभीषिका झेलने के बाद अब गाजा एक बड़े संकट का सामना कर रहा है। बायरन तूफान की वजह से लोग एक बार फिर बेघर हो गए हैं। इजरायली हमले के बाद टेंट और खंडहरों में रहने वाले लोग तूफान के बाद की ठंड बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। तेज बारिश, बाढ़, ठंडी हवाओं और ओलावृष्टि की वजह से लोगों की जान पर बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस तूफान की वजह से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें कई बच्चे शामिल हैं। तूफान की वजह से बडे इलाके में तेज बारिश हुई और टेंट पानी से भर गए ऐसे में लोग सूखी जगह की तलाश में टेंट छोड़ने को मजबूर हो गए। वहीं ठंड उनका पीछा नहीं छोड़ रही है। वहीं इजरायल की पाबंदियों की वजह से गाजा में जरूरत के सामान की भी आपूर्ति नहीं हो पा रही है। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी ने कहा कि ठंड की वजह से कम से कम तीन बच्चों की मौत हो गई। अल शिफा अस्पताल ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा है कि अल मसरी की उम्र 9 साल थी और अल ख्वाजा केवल कुछ महीनों का ही था। वहीं नासर अस्पताल ने बताया कि 8 महीने के अब जहर की जान ठंड की वजह से चली गई। वहीं उत्तरी गाजा में एक दीवार गिरने की वजह से 6 लोगों की जान चली गई थी। बता दें कि बायरन मध्य भूमध्य सागर से पैदा हुआ एक तूफान है। यह तूफान गर्म हवाओं और नमी की वजह से बना है। इस तूफान ने इजरायल, लेबनान और तटीय इलाकों में असर दिखाया है। इसकी वजह से भारी बारिश और बर्फबारी के हालात बन गए हैं।

पायलट ने हवा में विमान को बंद करने की कोशिश की, इमरजेंसी लैंडिग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अलास्का एयरलाइंस के विमान एम्ब्रेयर ई75 रीजनल जेट में हुई एक घटना के मामले में पायलट को सजा सुनाई गई है। नींद की कमी से जूझ रहे एक पायलट पर आरोप है कि उसने मैजिक मशरूम के नशे में धुत होकर विमान को गिराने की कोशिश की। सिएटल से सैन फ्रांसिस्को जा रहे इस विमान में 83 पैसेंजर और अन्य क्रू मैंबर बैठे हुए थे। दिलचस्प बात यह है कि जिस पायलट ने यह हरकत की, वह विमान को उड़ा नहीं रहा था, बल्कि जंप सीट पर बैठकर यात्रा कर रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक 2023 में हुई इस घटना में जोसेफ एमर्सन नामक पायलट कॉकपिट की जंप सीट पर बैठा हुआ था। अचानक से उसने ऊपर की तरफ लगे दो शट-ऑफ हैंडल को खींचने की कोशिश की। इन हैंडल का उपयोग आग लगने की स्थिति में इंजन को बंद करने के लिए किया जाता है। इस घटना से जुड़ा हुआ एक ऑडियो भी सामने आया है। इसमें दूसरा पायलट जोसेफ को रोकते हुए और गालियां देते सुना जा सकता है। जोसेफ को रोकने के बाद वह हांफते हुए एयर ट्रैफिक कंट्रोलर से इमरजैंसी लैंडिग की अनुमति मांगता है। इसके बाद लैंडिंग होती है और एमर्सन को गिरफ्तार कर लिया जाता है। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जब पूछा गया कि आखिर एक ऑफ ड्यूटी पायलट कॉकपिट में क्या कर रहा था, इसका जवाब देते हुए एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट पूरी तरह से भरी हुई थी, इसलिए एमर्सन को जंप सीट पर बैठाया गया था। एमर्सन से जब इस बारे में बात की गई तो उसने बताया कि वह दो दिन पहले खाए मैजिक मशरूम के नशे में था। उसने कहा, 'मुझे लगा कि मैं कहीं फंसा हुआ हूं। अब मैं अपने घर नहीं जा पाऊंगा। मुझे लगा कि अगर मैं इसे खींच देता हूं तो मैं जाग जाऊंगा। लेकिन इससे मैं जागा नहीं। मैं असल में हकीकत में ही था। अब मुझे समझ रहा है कि वह मेरी जिंदगी के सबसे निर्णायक तीन सेकेंड थे।' गौरलतब है कि एमर्सन ने क्रू के काम में बाधा डालने के आरोप को स्वीकार कर लिया है। दोष स्वीकार करने के बदले उसे जेल में बिताए 46 दिन की सजा को मानते हुए रिहा कर दिया गया है।

ट्रंप के संघर्ष रोकने का दावा फेल, थाई सेना ने सीमा पर फिर बरसाए बम, इमारतें-पुल तबाह

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीज जारी सीमा संघर्ष में आयदिन नए-नए मोड़ सामने सामने आ रहे है। एक तरफ जहां बीते दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि वो एक फोन पर ये संघर्ष रुकवा देंगे। वहीं दूसरी ओर ताजा अपडेट ये है कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर हमले और तेज होते नजर आ रहे हैं। आज यानी शनिवार को भी थाईलैंड की सेना ने कंबोडिया सीमा के पास हवाई हमला किया। जानकारी के मुताबिक, थाई वायुसेना ने दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए कई ठिकानों पर बम गिराए।

ट्रंप के गोल्ड कार्ड के खिलाफ 20 राज्यों का मुकदमा

कहा- डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी बढ़ेगी, वीजा के लिए 9 करोड़ रुपए फीस वसूल रहा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी प्रशासन ने ट्रम्प गोल्ड कार्ड वीजा के आवेदनों पर 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) की फीस लगा दी है। इस फैसले के खिलाफ कैलिफोर्निया के नेतृत्व में कुल 20 अमेरिकी राज्यों ने कोर्ट में मुकदमा दायर कर दिया है। इन राज्यों का कहना है कि यह फीस पूरी तरह गैर-कानूनी है और इससे अस्पतालों, स्कूलों, यूनिवर्सिटी और सरकारी सेवाओं में पहले से चल रही डॉक्टरों-शिक्षकों की कमी और गंभीर हो जाएगी। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, 'ये वीजा डॉक्टर, नर्स, इंजीनियर, वैज्ञानिक और शिक्षक जैसे उच्च कुशल प्रोफेशनल्स के लिए होता है। दुनियाभर का टैलेंट जब अमेरिका आता है तो पूरा देश आगे बढ़ता है। कैलिफोर्निया के साथ न्यूयॉर्क, इलिनॉय, वॉशिंगटन, मैसाचुसेट्स समेत 20 बड़े राज्य इस मुकदमे में शामिल हैं।

राज्य बोले- संसद की मंजूरी के बिना फीस बढ़ाना गलत : राज्यों का तर्क है कि पहले H-1B वीजा की फीस 1,000 से 7,500 डॉलर (1 से 6 लाख रुपए) के बीच होती थी, लेकिन संसद की मंजूरी के बिना अचानक फीस बढ़ा देना अवैध है। साथ ही यह फीस वीजा प्रोसेसिंग की वास्तविक लागत से सैकड़ों गुना ज्यादा है। उन्होंने इसे प्रशासनिक प्रक्रिया अधिनियमका उल्लंघन बताया। क्योंकि बिना नोटिस और पब्लिक कमेंट के इतना बड़ा नियम नहीं बनाया जा सकता।

अमेरिका के 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूलों में टीचर्स की कमी : राज्यों

का कहना है कि इसका सबसे बड़ा असर सरकारी और गैर-लाभकारी संस्थानों पर पड़ेगा। स्कूल, यूनिवर्सिटी और अस्पताल को वीजा में छूट मिलता था, लेकिन अब एक-एक विदेशी टीचर या डॉक्टर लाने में 9 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे ये संस्थान या तो सेवाएं घटाएंगे या दूसरी जरूरी योजनाओं से पैसा काटेंगे। अमेरिकी शिक्षा विभाग की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल अमेरिका के लगभग 75% डिस्ट्रिक्ट स्कूल को शिक्षक नहीं मिल पा रहे। खासकर स्पेशल एजुकेशन, साइंस और बाइलिंगुअल शिक्षकों की भारी कमी है। वहीं स्वास्थ्य क्षेत्र में 2024 में करीब 17,000 वीजा डॉक्टरों-नर्सों को दिए गए थे। साल 2036 तक अमेरिका में 86,000 डॉक्टरों की कमी होने का अनुमान है, जो ग्रामीण और गरीब इलाकों में पहले से ही गंभीर है।

व्हाइट हाउस बोला- नया वीजा नियम अमेरिकियों की भलाई के लिए है अमेरिकी सरकार वीजा में फीस बढ़ोतरी को जायज बताती रही है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह कदम वीजा प्रोग्राम के दुरुपयोग को रोकेगा। इसका साथ ही अमेरिकी नागरिकों के वेतन और नौकरियों की रक्षा करेगा। इसके उलट आलोचकों का कहना है कि इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। भारत जैसे देशों से आने वाले 70% से ज्यादा प्रोफेशनल्स पर इसका असर पड़ेगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोफेशनल अब कनाडा, ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जैसे देशों की ओर जा सकते हैं।

इसके साथ ही ट्रम्प प्रशासन वीजा आवेदकों के सोशल मीडिया के पिछले 5 साल का रिकॉर्ड मांग रहा है। इससे जांच और सख्त हो जाएगा। कुल मिलाकर कुशल विदेशी कर्मचारियों के लिए अमेरिका जाना अब पहले से कहीं ज्यादा महंगा और मुश्किल होने वाला है।

ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अप्लाई प्रोसेस शुरू की : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड' के लिए अप्लाई प्रोसेस शुरू करने का ऐलान किया था। कार्ड की कीमत 1 मिलियन डॉलर (करीब 9 करोड़ रुपए) है। हालांकि कंपनियों को कार्ड के लिए 2 मिलियन डॉलर देना होगा। ट्रम्प ने इसी साल फरवरी में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़ रुपए) रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर किया गया। ट्रम्प का कहना है कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है। होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने कहा, 'यह दुनिया के सफल उद्यमियों को आकर्षित करेगा।' वहीं ट्रम्प का प्लेटिनम कार्ड भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसकी फीस करीब 5 मिलियन डॉलर (लगभग 45 करोड़ रुपए) है।

ट्रम्प बोले- सिर्फ टैलेंटेड लोगों को वीजा देंगे : गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा। ट्रम्प ने गोल्ड कार्ड के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड भी लॉन्च किए थे।

दक्षिण अफ्रीका में निर्माणाधीन मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत, मलबे में कई लोग फंसे

डरबन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के डरबन के उत्तर में स्थित रेडक्लिफ इलाके में शुक्रवार दोपहर को चार मंजिला मंदिर गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मलबे में कई लोग दबे हैं, जिन्हें बचाने के लिए अभियान चल रहा है। मुश्किल हालात के बीच, मलबे में सावधानी से ड्रिल करके जिंदा लोगों को ढूंढने की कोशिश हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक मजदूर की हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कंक्रीट का एक ढांचा मंदिर पर डाला जा रहा, जिससे पूरा ढांचा गिर गया और पूरी साइट गिर गई।

मलबे में कई लोग फंसे : मलबे में कितने लोग फंसे हुए हैं, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। बचावकर्मी लोगों को बचाने में जुटे हैं। इस बीच, एक 54 साल के व्यक्ति, जो अपने परिवार के साथ मंदिर आए थे, घटना के बारे में सुनने के बाद उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट आया, जिससे उनकी मौत हो गई। ईथेक्विनी (पहले डरबन) की नगर पालिका ने कहा कि मंदिर बनाने के लिए किसी बिल्डिंग प्लान को मंजूरी नहीं दी गई है और इसका निर्माण गैर-कानूनी तरीके से हो रहा था।

दो साल पहले शुरू हुआ था मंदिर का निर्माण : अहोबिलम टेम्पल ऑफ प्रोटेक्शन के नाम से मशहूर, इस मंदिर को एक गुफा जैसा बनाया जा रहा था, जिसमें भारत से लाए गए पत्थरों और उस जगह से खोदे गए पत्थरों का इस्तेमाल किया जा रहा था। इन पत्थरों को पहली मंजिल पर प्लास्टर किया जा रहा था। मंदिर बनाने वाले परिवार ने कहा कि निर्माण का काम लगभग दो साल पहले शुरू हुआ था और पूरा होने के बाद, इसमें दुनिया की सबसे बड़ी भगवान नरसिंहदेव की मूर्ति होगी।

नेपाल में वर्दी में वीडियो बनाने पर पुलिसवालों पर कार्रवाई, लगातार की जा रही निगरानी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में आर्म्ड पुलिस फोर्स की वर्दी पहनकर टिकटॉक और रील वीडियो बनाने के आरोप में 212 सशस्त्र पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है। सशस्त्र पुलिस बल मुख्यालय के प्रवक्ता मनीष थापा ने बताया कि विभिन्न सोशल मीडिया पर वर्दी का प्रयोग कर वीडियो बनाना आचार संहिता के खिलाफ है। इसलिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कदम उठाए गए।

चेतावनी के बाद भी नहीं माने तो लिया गया एक्शन : पुलिस के अनुसार, दोषी कर्मियों को नसीहत, पदोन्नति रोक, चेतावनी, सतर्क रहने का निर्देश, मौखिक रूप से समझाने जैसे तरीके अजमाए गए हैं। सशस्त्र पुलिस ने कर्मियों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी के लिए मुख्यालय में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट भी स्थापित किया है। स्क्रीनिंग के दौरान नियम उल्लंघन में शामिल पाए गए कर्मियों पर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग डिपार्टमेंट की सिफारिश के आधार पर कार्रवाई की गई। कार्की सरकार में 4 और मंत्री नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल में चार नए मंत्रियों को शामिल कर मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या 14 कर दी है। नवनियुक्त मंत्रियों में श्रद्धा श्रेष्ठ, माधव चौलागाईं, राजेंद्र सिंह भंडारी और कुमार इंगनाम हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उन्हें शपथ दिलाई। श्रद्धा श्रेष्ठ को महिला, बाल और वरिष्ठ नागरिक मंत्री, माधव चौलागाईं को वन और पर्यावरण मंत्री, राजेंद्र सिंह भंडारी को श्रम-सामाजिक सुरक्षा मंत्री और कुमार इंगनाम को भूमि प्रबंधन, सहकारिता और गरीबी उन्मूलन मंत्रालय का प्रभार दिया गया है।

खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को लौटेंगे स्वदेश : ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के बेटे तारीक रहमान 25 दिसंबर को स्वदेश लौटेंगे। बीएनपी ने यह जानकारी उस समय दी है, जब 80 वर्षीय खालिदा जिया की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने बताया कि पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तारीक रहमान की वापसी का सभी स्वागत कर रहे हैं। रहमान पिछले 17 वर्षों से लंदन में आत्मनिर्वासन में रह रहे थे।

बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी पर हमला: सिर में गोली फंसी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में चुनाव होने में 2 महीने ही बचे है, इसी बीच ढाका में शुक्रवार दोपहर को दक्षिणपंथी युवा नेता को गोली मार दी गई। यह हमला ढाका के बिजॉयनगर में बॉक्स कल्वर्ट रोड पर करीब 2:25 बजे हुआ। शेख हसीना की विरोधी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता और आगामी चुनाव में स्वतंत्र उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी हमले के समय चुनाव प्रचार कर रहे थे। पुलिस के अनुसार तीन हमलावर मोटरसाइकिल पर आए, गोली चलाकर तुरंत फरार हो गए। हादी को तुरंत ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि गोली उनके सिर में फंसी हुई है और हालत बेहद नाजुक है। उन्हें लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमले से कुछ घंटे पहले उस्मान हादी ने ग्रेटर बांग्लादेश का एक मैप शेयर किया था, इसमें भारतीय इलाके (7 सिस्टर्स) शामिल थे। इस पोस्ट के बाद, अज्ञात बंदूकधारी ने उन्हें गोली मार दी।

यूनुस बोले- चुनावी माहौल में ऐसी हिंसा अस्वीकार्य : इस घटना पर बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने गहरी चिंता जताई है। यूनुस ने चुनावी माहौल में इस तरह की हिंसा पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह देश के शांत राजनीतिक वातावरण के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। यूनुस ने सुरक्षा एजेंसियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द हमलावरों की पहचान कर कड़ी सजा दी जाए।

नवंबर में हादी को मौत की धमकियां मिली थी : शरीफ उस्मान हादी एक प्रमुख बांग्लादेशी राजनीतिक कार्यकर्ता, लेखक और दक्षिणपंथी इस्लामी संगठन 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता हैं। नवंबर 2025 में उन्हें फेसबुक पर 30 विदेशी नंबरों से मौत की धमकियां मिली थी। वे जुलाई-अगस्त 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले बड़े आंदोलन के बाद उभरे एक प्रभावशाली युवा नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। हादी बांग्लादेश की सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्रों पर कई किताबें लिख चुके हैं, जो जुलाई प्रदर्शनों से पहले देश की सांस्कृतिक चुनौतियों पर केंद्रित हैं। दिसंबर 2024 में उन्होंने अवामी लीग पर छात्रों की हत्याओं का आरोप लगाया। इसके अलावा, इस्लामिक क्राइम्स ट्रिब्यूनल के शेख हसीना को मौत की सजा देने पर हादी ने इसे एक मिसाल बताया। हादी आगामी संसदीय चुनावों में ढाका-8 निर्वाचन क्षेत्र (मोटीझील, शाहबाग, रामना, पलटन और शाहजहांपुर) से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके थे।

इंकलाब मंच ने शेख हसीना की सरकार गिराई थी : इंकलाब मंच अगस्त 2024 के छात्र आंदोलन के बाद एक संगठन के रूप में उभरा। इसने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की सरकार गिरा दिया था। यह संगठन अवामी लीग को आतंकवादी करार देते हुए पूरी तरह खत्म करने और नौजवानों की सुरक्षा की मांग को लेकर सक्रिय रहा। यह संगठन राष्ट्रीय स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा पर जोर देता है।

पाकिस्तान में पहली बार संस्कृत, गीता पढ़ेंगे बच्चे, पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में पहली बार बच्चे संस्कृत पढ़ेंगे और हिंदू धर्म ग्रंथ गीता का अध्ययन करेंगे। दरअसल लाहौर प्रबंधन विज्ञान विश्वविद्यालय (एलयूएमएस) ने पहली बार संस्कृत को अपने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। आजादी के 77 साल बाद यह कदम पाकिस्तान में शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा। संस्कृत कोर्स की शुरुआत एक साप्ताहिक कार्यशाला से हुई थी, जो अब कोर्स में बदल गई है। एलयूएमएस अब महाभारत और भगवद्गीता पर अलग कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। इस प्रयास से पाकिस्तान में संस्कृत के विद्वान तैयार होंगे।

दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने की कोशिश : गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी और एफसी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद विभागाध्यक्ष हैं। डॉ. रशीद मुख्य रूप से संस्कृत व्याकरण और शास्त्रीय साहित्य पढ़ाते हैं। शुरुआत में छात्र कठिनाई महसूस कर रहे थे, फिर संस्कृत की तार्किक संरचना समझी और विषय में उनकी रुचि बढ़ गई। छात्र हैरान हो गए कि उर्दू और अन्य स्थानीय भाषाओं के कई शब्द संस्कृत से आए हैं। डॉ. कासमी और डॉ. रशीद मानते हैं कि संस्कृत, हिंदी, उर्दू और अन्य भाषाओं के बीच गहरा संबंध है। यह कोर्स दक्षिण एशिया में सांस्कृतिक पुल बनाने का अवसर प्रदान करता है और भाषाई समृद्धि बढ़ाता है।

एक साल का कोर्स बनाने की तैयारी : एलयूएमएस का लक्ष्य 2027 तक इसे एक साल का कोर्स बनाना है। कोर्स के माध्यम से छात्र महाभारत और भगवद्गीता जैसे ग्रंथों का अध्ययन कर सकेंगे और पाकिस्तान में शास्त्रीय भाषाओं के क्षेत्र में नए विद्वान तैयार होंगे।

कोठरी में इमरान खान को एकांत कारावास, यूएन विशेषज्ञ ने जताई चिंता, कहा- यह यातना के बराबर

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की यातना मामलों की विशेषज्ञ एलिस जिल एडवर्ड्स ने आज पाकिस्तान सरकार से आग्रह किया है कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति को लेकर आ रही रिपोर्ट्स पर तत्काल और प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थितियां यातना या अन्य अपमानवीय या अपमानजनक व्यवहार के बराबर मानी जा सकती हैं। एडवर्ड्स ने कहा, मैं पाकिस्तानी अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील करती हूं कि इमरान खान की हिरासत की शर्तें पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और मानकों के अनुरूप हों। उन्होंने बताया कि 26 सितंबर 2023 को रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थानांतरित होने के बाद से इमरान खान को लंबे समय तक एकांत कारावास में रखा गया है। उन्हें दिन में 23 घंटे कोठरी में बंद रखा जाता है और बाहरी दुनिया से उनका संपर्क बेहद सीमित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि खान को उनकी कोठरी में कथित तौर पर लगातार कैमरे की निगरानी में रखा जाता है। विशेषज्ञ ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के तहत लंबे समय तक एकांत कारावास प्रतिबंधित है और अगर यह 15 दिनों से अधिक समय तक हो जाता है, तो इसे यातना का एक रूप माना जाता है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान के लिए एकांत कारावास की सजा को बिना किसी देरी के खत्म किया जाना चाहिए। यह न केवल एक गैरकानूनी उपाय है, बल्कि लंबे समय तक एकांत कारावास से उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत हानिकारण परिणाम हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, इमरान खान को कोठरी से बाहर गतिविधि करने या अन्य कैदियों से मिलने की अनुमति नहीं है और सामूहिक नमाज में भी शामिल नहीं हो सकते। वकीलों, परिजनों और अदालत की ओर से अधिकृत अन्य लोगों की मुलाकातें अक्सर रोक दी जाती हैं या समय से पहले खत्म हो जाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान एक छोटी सी कोठरी में रखा गया है, जिसमें प्राकृतिक रोशनी और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं है। इस कोठरी में गर्मियों और सर्दियों में तापमान चरम सीमा तक पहुंच जाता है और खराब हवा के कारण दुर्गंध और कीट-मकौड़े की समस्या होती है। इसके कारण उन्हें मतली, उल्टी और वजन कम होने की शिकायत रही है। एडवर्ड्स ने कहा, जो कोई भी कैदी है, उसके साथ मानवता और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। कैदी की उम्र और स्वास्थ्य स्थिति का ध्यान रखा जाना चाहिए, जिसमें उचित सोने की व्यवस्था, जलवायु संरक्षण, पर्याप्त जगह, रोशनी, गर्मी और वेंटिलेशन शामिल हैं। इमरान खान (72 वर्षीय) को पहले से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हैं, जिसमें 2013 के एक हादसे में गंभीर रीढ़ की चोट और 2022 की हत्या के प्रयास में गोली लगना शामिल है। एडवर्ड्स ने कहा, इमरान खान को पर्याप्त चिकित्सा सहायता नहीं दी गई है।

एक कौम, एक वतन-हिन्दुस्तान विषय पर सेमिनार आयोजित

प्रेम के माध्यम से विकसित देश बनेगा भारत : डॉ इंद्रेश कुमार

स्वदेश समाचार सेवा

हैदराबादः मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के तत्वाधान में शनिवार को हैदराबाद के उस्मानिया विश्वविद्यालय सभागार के पीजीआरआर दूरस्थ शिक्षा केंद्र में 'एक कौम, एक वतन-हिन्दुस्तान' विषय पर सेमिनार में का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो लोग एक कौम, एक वतन और एक संविधान में विश्वास रखते हैं, उन्हें देश के सभी नागरिकों को एकजुट करना चाहिए और प्रेम के माध्यम से भारत को विश्व का सबसे विकसित देश बनाना चाहिए।

डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है जहां अनेक भाषाओं और संस्कृतियों के लोग रहते और काम करते हैं। वे सभी एक ही ईश्वर में विश्वास रखते हैं, केवल भाषा का अंतर है। भारत में रहने वाले लोग अपना काम अपनी मातृभाषा में करते हैं। जिस प्रकार मुसलमान अपने पूजा स्थलों में अपने ईश्वर को अपनी भाषा में

याद करते हैं, उसी प्रकार ईसाई, बौद्ध, सिख, हिंदू सभी अपने ईश्वर के समक्ष अपनी बात रखते हैं। ईश्वर सभी भाषाओं को जानता है। वह उन लोगों की भाषा भी जानता है जिनके पास बोलने के लिए जीभ नहीं है।

उन्होंने श्रोताओं से पूछा कि यदि इस सभा में कोई ऐसा व्यक्ति है जो फ्रेंच में सपने देखता है, तो वह बताए, या यदि वह चीनी में सपने देखता है, तो वह बताए। कोई भी भारतीय ऐसा नहीं है। इसी प्रकार, हम भारत के लोग, एक ही विचार रखते हैं। उन्होंने सभी को स्वस्थ रहने के लिए योग और अन्य आसनों के बारे में बताया और उन्हें नियमित रूप से इनका अभ्यास करने की सलाह दी।

सेमिनार में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. शाहिद अख्तर ने कहा कि प्रेम को फैलाने और घृणा को मिटाने के लिए सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। हम एक कौम और एक सभ्यता व परंपरा के साथ आगे बढ़ें।

ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल (एआईएसएससी) कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष सैयद अली जकी हुसैन ने कहा कि देश भर के संतों ने हमेशा भाईचारे को बढ़ावा देने की बात कही है। हजरत ख्वाजा गरीब नवाज (रह.) से लेकर हजरत बंदा नवाज गेसूदराज (रह.) तक, जितने भी सूफी तथा संत भारत आए, सभी ने प्रेम और एकता का संदेश फैलाने का काम किया। उन्होंने घृणा को समाप्त करके लोगों के बीच प्रेम का सृजन किया। इसके माध्यम से ही शांति और सद्भाव स्थापित किया जा सकता है और यह मुस्लिम राष्ट्र मंच भी प्रेम को बढ़ावा देना और घृणा को समाप्त करना चाहता है।

जामिया हमदर्द के रजिस्ट्रार कर्नल ताहिर मुस्तफा ने सेमिनार का संचालन किया। डॉ. अब्दुल हक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पीएफ रहमान और जाने-माने आंकोलॉजिस्ट डॉ. माजिद अहमद तालिकोटी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

प्रदेश में कुल 16,78,491 मामलों का निष्पादन

झारखंड के विभिन्न जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया

संवाददाता

रांची: शनिवार को राज्य भर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 16,78,491 निष्पादित हुए हैं। झालसा द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार आज के राष्ट्रीय लोक अदालत में राज्यभर में प्री लीटिगेशन के 15,17,243 मामले निष्पादित हुए हैं। वहीं कोर्ट में लंबित 1,61,248 मामले सुलझाए गए हैं। इस तरह से कुल 16,78,491 मामले निष्पादित हुए हैं। साथ ही इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 9,18,85,23,930 राशि का सेटेलमेंट हुआ है।

इससे पहले आज 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उदघाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान, मुख्य न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय के द्वारा दुमका न्यायमंडल, दुमका से ऑनलाईन माध्यम से किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति झारखण्ड उच्च न्यायालय-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची सुजित नारायण प्रसाद, न्यायामूर्ति आनंदा सेन, झारखण्ड उच्च

न्यायालय के न्यायामूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सदस्य सचिव झालसा कुमारी रंजना अस्थाना समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रांची सिविल कोर्ट में नेशनल लोक अदालतः राष्ट्रीय लोक अदालत का दुमका से ऑनलाईन उदघाटन होने के पश्चात व्यवहार न्यायालय, रांची से फ्री कैंसर प्रिवेन्टिव-चेक-अप-कैंप का उदघाटन न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कि रूप में न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा प्रिंसिपल जज फैमिल कोर्ट पवन कुमार, अखउ अमित शेखर, अखउ यशवंत प्रकाश समेत अन्य अपर न्यायायुक्तगण, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, डालसा सचिव, रवि कुमार भास्कर, रांची जिला बार एसोसिएशन के सदस्यगण, अधिवक्तागण आदि उपस्थित रहे। इस मौके पर न्यायायुक्त अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि वादों के त्वरित निष्पादन में अधिवक्ताओं व मध्यस्थों की भूमिका अहम होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत वादकारियों के लिए सुलभ व निःशुल्क न्याय पाने का एक माध्यम है।

सिविल कोर्ट रांची में लंबित मामले 42083 तथा प्री-लिटिगेशन के 147225 वादों का निस्तारणः राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायिक दण्डाधिकारियों के लिए 18 बेंच एवं कार्यपालक दण्डाधिकारियों के लिए 18 बेंच का गठन किया गया था। आज आयोजित होनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल लंबित मामले 42083 तथा प्री-लिटिगेशन के 147225 वादों का निस्तारण किया गया साथ ही 2073202797 राशि का सेटलमेंट हुआ है।

इस मौके पर डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए न्यायिक दंडाधिकारियों के लिए 39 तथा कार्यपालक दंडाधिकारियों के लिए 18 बेंच का गठन किया गया है। न्यायिक दंडाधिकारियों, बैंक व इंशुरेंश कंपनी के प्रतिनिधियों, पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के साथ पूर्व में बैठकें की गयी थी।

इस मौके पर न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा झारखण्ड पीड़ित मुआवजा के तहत कुल 09 पीड़ितों के बीच 16,35,000/- रुपये चेक का वितरण भी किया गया। इसके साथ ही वाहन दुर्घटना मुआवजा में न्यायिक पदाधिकारियों के द्वारा 06 पीड़ितों के बीच 4,19,24,118/- राशि के चेकों का वितरण किया गया।

पुरुषों-महिलाओं की समान भागीदारी से ही सुरक्षित समाज का निर्माण संभव : डॉ निर्मला

जेंडर समानता को लेकर सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

दुमकाः सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय में आंतरिक परिवाद समिति द्वारा लिंग आधारित हिंसा विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को सम्पन्न हुई। 10 से 12 दिसंबर तक चले इस कार्यक्रम में जेंडर आधारित हिंसा की अवधारणा, उसके सामाजिक प्रभाव, कानूनी प्रावधान और रोकथाम के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गयी। विश्वविद्यालय के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता समिति की अध्यक्षा डॉ निर्मला त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि पुरुषों और महिलाओं की समान भागीदारी से ही संवेदनशील एवं सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है, इसलिए जेंडर हिंसा की रोकथाम के लिए जागरूकता बढ़ाना अनिवार्य है। उद्घाटन सत्र में एसपी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापक डॉ सनोज स्टीफन हेंब्रम ने कहा कि जेंडर आधारित हिंसा की सबसे अधिक शिकार महिलाएं होती हैं, इसलिए उनके बीच जागरूकता का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने एक वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से जेंडर हिंसा के विभिन्न रूपों–शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आर्थिक–को विस्तार से समझाया। इसके बाद दिल्ली आईआईटी की शोधार्थी अंगना दास ने महिलाओं पर हो रहे जेंडर आधारित दुर्व्यवहार के कारणों, सामाजिक मान्यताओं और उसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के दूसरे सत्र में डॉ अजय सिन्हा ने जेंडर हिंसा से संबंधित कानूनों, उनके प्रावधानों और प्रमुख अदालती फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध कानून, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न कानून और अन्य प्रासंगिक विधानों को सरल भाषा में समझाया। इतिहास विभाग की प्राध्यापिका अमिता कुमारी ने 2013 के एक्ट के तहत संस्थानों में आंतरिक परिवाद समिति की भूमिका, गठन प्रक्रिया, शिकायत दर्ज करने की विधि और जांच प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। दूसरे दिन छात्रों के बीच जेंडर हिंसा विषयक नाटक प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विभागों ने प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज में मौजूद जेंडर असमानताओं और हिंसा के विभिन्न रूपों को मंचित किया।

परिणाम इस प्रकार रहे :

प्रथम स्थानः प्राणिविज्ञान विभाग झ प्रालिना सेन, अर्नब गोराई, पोल्मी हेम्ब्रम, सौरभ कुमार, सोनिया मुर्मू द्वितीय स्थानः अंग्रेजी विभाग झ मो रैहान रजा, अंजलि, अंकिता ई सोरेन, सोफिया फिरदौस, रूपेश कुमार

तृतीय स्थानः वाणिज्य विभाग झ दिनेश टुडू, सुभन हांसदा, रोजेलिन किस्कू, अंशु कुमारी ।

काम करने की दृढ इच्छा शक्ति हो तो संसाधन की कमी, कमी बाधक नहीं बनती

संवाददाता

चक्रधरपुर : कार्य करने की दृढ इच्छा शक्ति हो तो संसाधन कोई बाधक नहीं लघुवन पदार्थ परियोजना के प्रमंडलीय प्रबंधक अनिल दास ने यह चरितार्थ किया है । चक्रधरपुर स्थित लघु वन पदार्थ परियोजना के क्षेत्र कार्यालय पहुंचकर पूरे धालभूम प्रक्षेत्र के अधीन संबंधित कार्यों का निपटारा उन्होंने सहज रूप से किया । श्री दास के प्रमंडलीय प्रबंधक के रूप में योगदान देने के पश्चात से विभाग अधीन कार्यों में काफी तेजी आने के साथ-साथ संबंधित कार्यों का निष्पादन सुचारू रूप से बेहतर ढंग से संपादित किया जा रहा है । कहते हैं अधिकारी अगर कार्यों के निष्पादन हेतु संकल्पित हो तो संसाधन की कमी भी कभी बाधा उत्पन्न नहीं करती। बेहतर और सुचारू रूप से कार्यों का निष्पादन करना जिनका लक्ष्य और उद्देश्य हो तो विभाग अधिकारियों का सुचारू रूप से क्रियावनन स्वाभाविक है। श्री दास बताते हैं कि धालभूम प्रमंडल अधीन कार्यों का निष्पादन ससमय और बेहतर ढंग से करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है । इसी के फल स्वरुप धालभूम क्षेत्र अधिनियम विभिन्न कार्यालय में वे स्वयं पहुंचकर कार्यों का निष्पादन करते हैं । जिससे कि सभी स्थल पर बेहतर और सुचारू रूप से विभाग अधीन कार्यों का निष्पादन किया जा सके । ऐसे अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग के साथ-साथ क्षेत्र का भी विकास होता है। गौरतलब हो कि 1993 से श्री दास वन क्षेत्र पदाधिकारी के रूप में पदस्थापित हैं और उनके बेहतर कार्यों के फल स्वरुप वी काफी लोकप्रिय आधिकारिक रूप में पहने जाते हैं।

जेएफसी अंडर-18 टीम में इंटर काशी को बराबरी पर रोका

जमशेदपुरः वाराणसी में शनिवार को जेएफसी अंडर-18 व इंटर काशी के बीच एआइएफएफ एलिट यूथ फुटबॉल लीग का एक रोमांचक मैच खेला गया। इस मैच में जेएफसी की टीम ने इंटर काशी को 2-2 गोल की बराबरी पर रोकर कर एक अंक अर्जित किये। पहले हाफ की शुरूआत जेएफसी यूथ टीम ने शानदार अंदाज में किया। मैच के 13वें मिनट में ही जेएफसी की टीम ने सेराम के गोल की मदद से बढ़ता हासिल कर ली। मैच के दूसरे हाफ में इंटर काशी की टीम ने पलटवार किया। 48वें मिनट और 65वें मिनट में यमन शियोरान ने दो लगातार गोल करते हुए अपनी इंटर काशी को मुकाबले 2-1 की बढ़त दिला दी। मैच के निर्धारित समय (90 मिनट) तक मैच पूरी तरह इंटर काशी के पक्ष में रहा। अतिरिक्त समय (90 1 मिनट) में जेएफसी के स्ट्राइकर सेराम ने हेडर के जरिये एक शानदार गोल करते हुए अपनी टीम को मुकाबले में 2-2 की बराबरी दिला दी। 20 दिसंबर को जेएफसी का सामना एआइएफएफ फीफा टैलेंट एकेडमी से होगा।

मैथन सिरामिक ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

जमशेदपुरः मैथन सिरामिक लिमिटेड चिरकुंडा द्वारा सीएसआर के तहत शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत सचिवालय में ग्रामीणों के लिए शनिवार को जेपी अस्पताल धनबाद के सहयोग से मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श के साथ साथ नेत्र जांच, ब्लड प्रेशर, सुगर, स्त्री रोग, चर्म रोग की जांच की गयी। लगभग 200 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गयी और मुफ्त में दवाई भी दी गयी। मैथन सिरामिक के अधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि कंपनी प्रबंधन लगातार क्षेत्र में सीएसआर मद से जनहित से जुड़े कार्य कर रही है और इसी क्रम में शिवलीबाड़ी उत्तर पंचायत में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया है। कंपनी द्वारा स्वास्थ्य के साथ साथ विभिन्न पंचायत क्षेत्र में शिक्षा, सफाई, स्कूलों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति, ठंड में गरीबों के बीच कंबल वितरण का कार्य किया जा रहा है। मुखिया मलिका मेहर निगार ने कंपनी प्रबंधन के प्रयास की सराहना की। मौके पर चंद्रशेखर सिंह, डॉ पार्थो आचार्य, गोविंद प्रसाद व अन्य थे।

राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में भाग लेंगे बीबीएमकेयू के स्वयंसेवक

धनबादः भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) क्षेत्रीय निदेशालय, भोपाल द्वारा 17 से 23 दिसंबर 2025 तक आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में बीबीएमकेयू के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। चयनित स्वयंसेवक 14 दिसंबर की शाम शक्तिपुंज एक्सप्रेस से भोपाल रवाना होंगे। इस दल में चार छात्र और पांच छात्राएं शामिल हैं, जो बीएसके कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ नीतीशा खलको के नेतृत्व में शिविर की सभी गतिविधियों में भाग लेंगे।

ये विद्यार्थी लेंगे हिस्सा : चयनित विद्यार्थियों में किशोर कुमार झा व सोमनाथ रवानी (पीजी विभाग), शिव शंभू कुमार भारती, अंतरा कुमारी व काजल कुमारी (केबी कॉलेज बेरमो), भूमिका राय (केएसजीएम कॉलेज निरसा), सोनी प्रिया मुर्मू (बीएसके कॉलेज मैथन) तथा मृणाल (बीएस सिटी कॉलेज बोकारो), गुरु नानक कॉलेज सिद्धा सैम्युल कुमार का शामिल हैं। कॉलेज की प्राचार्य डॉ रंजना दास, एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर प्रो दलजीत सिंह सहित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। विवि के एनएसएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर डॉ मुकुंद रविदास ने बताया कि शिविर में स्वयंसेवक झारखंड की कला-संस्कृति का प्रतिनिधित्व करेंगे। कजरी, झूमर नृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय गायन, वादन और हस्तशिल्प की प्रस्तुति देंगे।

केज कल्चर के माध्यम से मछली पालन से लाभुकों को जोड़ने का निर्देश

दुमकाः उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में कृषि विभाग की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें कृषि, उद्यान, आत्मा, पशुपालन, मत्स्य और भूमि संरक्षण से संबंधित सभी योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गयी। बैठक में उप विकास आयुक्त ने किसानों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को अपनी वार्षिक गतिविधियों के लिए विभागीय कैलेंडर तैयार करने और सॉयल टेस्टिंग कार्य में तेजी लाते हुए ब्लॉक स्तर पर सैंपल संग्रहण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में बताया गया कि झारखंड कृषि ऋण माफी योजना का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है। आत्मा परियोजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने बीज वितरण, किसान प्रशिक्षण और एक्सपोजर विज़िट की रूपरेखा शीघ्र तैयार करने को कहा। उद्यान विभाग को जेएसएलपीएस के साथ समन्वय स्थापित करते हुए स्ट्रॉबेरी, अदरक, हल्दी, फूल और सब्जी की खेती के लिए लाभुकों के चयन की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। पशुपालन विभाग से शेड निर्माण, परिसंपत्तियों के वितरण की प्रगति पर जानकारी ली गयी और लाभुक चयन व अंशदान जमा कराने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अंशदान न देने पर अन्य पात्र लाभुकों को चयनित किया जाए। मत्स्य विभाग को केज कल्चर के माध्यम से अधिक लाभुकों को जोड़ने, बीज वितरण तेज करने और सहकारी समितियों से जोड़ने हेतु प्रशिक्षण की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। भूमि संरक्षण विभाग को हैंड पंप, मिनी ट्रैक्टर, सोलर पंप सहित अन्य परिसंपत्तियों के वितरण के लिए लाभुकों का चयन समय पर पूरा करने को कहा गया। बैठक में सभी विभागों को कार्यों में गति लाने और योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज कम एंपावरमेंट कैंप

निःशुल्क कानूनी सहायता नागरिकों के समग्र सशक्तिकरण का माध्यम : मुख्य न्यायाधीश

संवाददाता

दुमकाः झारखंड की उप राजधानी दुमका स्थित कन्वेंशन सेंटर में शनिवार को स्टेट लेवल लीगल सर्विसेज कम एंपावरमेंट कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने पूरे राज्य में चल रहे राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल रूप से ऑनलाइन उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद,झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आनंद सेन,माननीय झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं दुमका न्यायमंडल के प्रशासनिक न्यायाधीश, न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे।

अपने संबोधन में मुख्य न्यायाधीश श्री चौहान ने कहा कि न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में उसकी अनुभूति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा एवं सशक्तिकरण शिविरों के माध्यम से न्यायपालिका समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने का प्रयास कर रही है, जिससे प्रत्येक नागरिक को समानता, गरिमा और न्याय तक सरल पहुँच सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि लोक अदालत, विधिक सहायता और सुलह-समझौते जैसे मंच विवादों के समाधान के साथ-साथ सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास को भी मजबूत करते हैं। ऐसे प्रयास न्याय को संघर्षपूर्ण नहीं, बल्कि सहयोगात्मक बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विधिक सेवाएँ अब केवल निःशुल्क कानूनी सहायता तक सीमित नहीं रहकर नागरिकों के समग्र सशक्तिकरण का माध्यम बन चुकी हैं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से लाभुकों को विधिक जागरूकता, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं मौके पर ही कई सुविधाएँ उपलब्ध कराई गईं। सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, पहचान पत्र, आजीविका एवं अन्य योजनाओं से संबंधित सेवाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध कराई गईं, जिससे लाभुकों को सीधा लाभ मिला। मुख्य न्यायाधीश श्री चौहान ने विधिक सहायता क्लीनिक द्वारा प्रस्तुत लघु फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक पहलें आम नागरिकों की समस्याओं, संघर्षों और आकांक्षाओं को प्रभावी ढंग से सामने लाती हैं तथा विधिक जागरूकता बढ़ाने में सहायक होती हैं। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, न्यायिक पदाधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं, पैरा लीगल वॉलंटियर्स एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की सक्रिय सहभागिता रही। उपायुक्त द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई। मुख्य न्यायाधीश श्री चौहान ने कहा कि न्याय तभी सार्थक है जब वह आम जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए। उन्होंने सभी संबंधित संस्थाओं से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय और

संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए न्याय को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प लें।

इस दौरान झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा), रांची के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि आज भी समाज में अंधविश्वास के कारण महिलाओं एवं कमजोर वर्गों को डायन बताकर हिंसा का शिकार बनाया जाता है, जो अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि डायन नाम की कोई चीज नहीं होती, यह केवल अज्ञानता और भ्रम का परिणाम है।

न्यायमूर्ति श्री प्रसाद ने कहा कि ऐसे कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों को भी जागरूक करें, उन्हें कानून की जानकारी दें और अंधविश्वास के विरुद्ध आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समाज के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ लेना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इन योजनाओं की सही जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति बिना किसी भय या भेदभाव के अपने अधिकारों का लाभ उठा सकें।

झारखंड उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आनंद सेन ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं का त्वरित, सरल एवं प्रभावी समाधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक्सेस टू जस्टिस का तात्पर्य यह है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति, चाहे उसकी सामाजिक, आर्थिक अथवा भौगोलिक स्थिति कुछ भी हो, न्याय प्राप्त करने से वंचित न रहे। न्यायमूर्ति ने कहा कि आम जनों को अपने अधिकारों की जानकारी होना आवश्यक है, ताकि उन्हें यह पता हो कि न्याय कहां और कैसे मिलेगा। इसी उद्देश्य से इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़े और वे लोक अदालत एवं निःशुल्क विधिक सहायता जैसी व्यवस्थाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने आगे कहा कि दुमका जैसे क्षेत्र के लिए इस तरह का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित होती है। ऐसे कार्यक्रम न केवल समस्याओं के समाधान का माध्यम बनते हैं, बल्कि आम जनता को सशक्त कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग भी बनाते हैं। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं दुमका न्यायमंडल के प्रशासनिक न्यायाधीश, न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम तथा सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं का लाभ सुयोग्य लाभुकों को मिलने में तकनीकी कारणों अथवा प्रक्रियात्मक जटिलताओं की वजह से विलम्ब न हो । उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में समन्वय स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि आमजन को योजनाओं का लाभ प्राप्त ससमय प्राप्त हो ।

न्यायमूर्ति ने बाल श्रम एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इन्हें रोकने के लिए प्रभावी एवं कठोर कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में प्रशासन, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता पर उन्होंने बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना ही सच्चे अर्थों में न्याय की स्थापना है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ नहीं पहुंचेगा, तब तक सामाजिक न्याय की परिकल्पना पूर्ण नहीं हो सकती। उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने जिले में चल रहे विकास योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश एवं विशिष्ट अतिथियों के द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभुकों को लाभान्वित किया गया। दो लाभुकों के बीच क्षतिपूर्ति राशि का वितरण किया गया, वहीं एक लाभुक को मोटर दुर्घटना दावा के तहत निर्धारित मुआवजा प्रदान किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा एक लाभुक को टैंक निर्माण हेतु राशि उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा दो लाभुकों को अबुआ स्वास्थ्य कार्ड प्रदान किया गया। दीदी की दुकान योजना के अंतर्गत एक लाभुक को 3 लाख की वित्तीय सहायता दी गई, जबकि जेंडर रिसोर्स सेंटर के लिए एक लाभुक को 3 लाख की राशि प्रदान की गई। दो लाभुकों के बीच सामुदायिक वन अधिकार पट्टा का वितरण किया गया।

पशुधन विकास योजना के तहत दो लाभुकों को प्रति लाभुक 67,294 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। कुक्कुट पालन योजना के अंतर्गत दो लाभुकों को चेक प्रदान किए गए। सर्वजन पेंशन योजना के तहत एक लाभुक को स्वीकृति पत्र सौंपा गया, जबकि पारिवारिक हित लाभ योजना के अंतर्गत एक लाभुक को निर्धारित लाभ प्रदान किया गया। २कार्यक्रम में दो लाभुकों को श्रवण यंत्र वितरित किए गए। अबुआ आवास योजना के अंतर्गत एक लाभुक को आवास की चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही किट रहित सब्जी उत्पादन योजना के तहत 3 लाख की सहायता राशि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त एक लाभुक को धोती-साड़ी तथा एक अन्य लाभुक को ग्रीन राशन कार्ड प्रदान किया गया।